सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 203, नई दिल्ली । बुधवार, 02 अक्टूबर 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

जीवन में जिसने अपनी जीभ को संभालना सीख लिया, वो जीवन को भी संभाल लेगा, क्योंकि जीभ का स्वाद स्वास्थ्य खराब करता है और वाणी संबंध खराब कराती है।

03 सांसद मनोज तिवारी बनेंगे भगवान परशु राम...
06 घर पर यूपीएससी परीक्षा की तैयारी कैसे करें
08 राजधानी में हादसों का सिलसिला, फिल्मी स्टाइल में कार हादसा

दिल्ली में इन गाड़ियों पर हो रहे धड़ाधड़ एक्शन

ट्रैफिक पुलिस और नगर निगम कर रही कार्रवाई

संजय बाटला

दिल्ली में सर्दियों का सीजन शुरु होने वाला है। ऐसे में प्रदूषण की रोकथाम को लेकर यातायात पुलिस ने तैयारियां शुरू कर दी है। ट्रैफिक पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने निर्देश दिया है कि 15 साल और 10 साल पुरानी गाड़ियों को स्पेशल ड्राइव के जरिए जब्त करते हुए उन्हें स्क्रैप करें। पुलिस और नगर निगम साथ मिलकर इस काम को कर रहे हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रदूषण की रोकथाम को लेकर यातायात पुलिस ने अभी से कमर कसनी शुरू कर दी है। यातायात पुलिस दिल्ली नगर निगम के साथ मिलकर 15 साल और 10 साल पुरानी गाड़ियों को स्पेशल ड्राइव के जरिए जब्त करते हुए उन्हें स्क्रैप करा रही है। इस अभियान के तहत खासकर उन गाड़ियों पर फोकस किया जा रहा है जो गाड़ियां सड़कों पर लंबे समय से खड़ी हुई हैं।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि दिल्ली में डीजल गाड़ियां 10 साल तक चल सकती हैं और पेट्रोल गाड़ियां 15 साल तक चल सकती हैं। सितंबर माह में एमडीसी की मदद से पार्किंग व रोड की साइड में खड़ी लगभग 305 गाड़ियां जब्त की गईं।

प्रदूषण फैलाने वाली गाड़ियों के खिलाफ एक्शन तेज

प्रदूषण फैलाने वाली गाड़ियों के खिलाफ एक्शन तेज किया गया है। जहां धुआं छोड़ रही गाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई हो रही है, वहीं मुख्य रोड पर खड़ी 15 साल पुरानी गाड़ियों को भी जब्त किया जा रहा है। इन गाड़ियों के कारण सड़कों पर जाम की स्थिति भी बनती है।

ट्रैफिक पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने दिए ये निर्देश

सूत्रों की मानें तो ट्रैफिक के वरिष्ठ अफसरों ने सभी यातायात पुलिसकर्मियों को निर्देश देते हुए कहा है कि वह अपने-अपने इलाकों में खड़ी पुरानी गाड़ियों को जल्द ही जब्त करें जबकि एमसीडी की मदद से स्क्रैप कराएं, ताकि प्रदूषण पर रोक लग सके।

दिल्ली में सड़क पर बसों का पुलिस का चालान तो स्टेशन के अंदर लगी रही पेनल्टी

परिवहन विशेष न्यूज

देहरादून। उत्तराखंड डिपो की दिल्ली जाने वाली बसों के लिए आईएसबीटी समेत अन्य स्टेशनों पर ठहराव 25 मिनट निर्धारित होने से चालक-परिचालक परेशान हैं। स्टेशन पर 25 मिनट से अधिक समय रुकने पर हर पांच मिनट के हाल्ट पर 50 से 350 रुपये तक की पेनल्टी लग रही है। जबकि बाहर पुलिस चालान कर रही है। उत्तराखंड परिवहन निगम की ओर से दिल्ली आईएसबीटी और अन्य स्टेशनों के नजदीक कोई पार्किंग की व्यवस्था नहीं की है। लिहाजा चालक पेनल्टी बचाने के लिए सवारियों से बस भरे बगैर ही लौट रहे हैं। इससे उत्तराखंड निगम को राजस्व नुकसान होने के साथ यात्रियों को भी भटकना पड़ रहा है।

दरअसल राज्य परिवहन प्राधिकरण दिल्ली के विशेष आयुक्त की ओर से सभी राज्यों के परिवहन निगम को पत्र जारी किया है। जिसमें आईएसबीटी, कश्मीरी गेट, आनंद विहार और सराय काले खां में बसों के प्रवेश से लेकर निकास तक की समयावधि 25 मिनट निर्धारित की है। इन स्टेशनों पर एक ट्रिप का पांच 500 रुपये स्टैंड शुल्क देना पड़ रहा है। इसमें 25 मिनट के लिए ही वहां बस रुकने की अनुमति है। इसके बाद हर पांच मिनट के हाल्ट पर 50 से 350 रुपये तक की पेनल्टी पड़ रही है।

चालक-परिचालकों का कहना है कि बस निर्धारित समय से पांच मिनट पहले स्टेशन पहुंचती है तो सवारियां स्टेशन के अंदर उतारने की जिद करती हैं। स्टेशन के अंदर प्रवेश करते ही पार्किंग शुल्क देना पड़ता है। यदि स्टेशन से बाहर सवारियां उतारते हैं तो पुलिस चालान कर देती है। स्टेशन में प्रवेश के बाद सिर्फ 25 मिनट वहां बस खड़ी करने की अनुमति है। ऐसे में यदि वह स्टेशन से बाहर निकलते हैं तो दोबारा प्रवेश में फिर पार्किंग चार्ज देना पड़ता है। स्टेशन में ही रहते हैं तो पेनल्टी लग रही है। पेनल्टी और दो बार के पार्किंग शुल्क को बचाने के लिए सवारियों से बस भरे बगैर स्टेशन से निकलने को मजबूर हैं। चालकों का कहना है स्टेशनों के आसपास पार्किंग बनाई जाए, ताकि बसें पार्किंग में खड़ी हो सकें। इससे चालकों-परिचालकों को भी विश्राम करने का समय मिल जाएगा।

यूपी ने तलाशी पार्किंग, उत्तराखंड को अब तक नहीं मिली

परिवहन निगम के मंडलीय प्रबंधक संचालन सीपी कपूर के मुताबिक आनंद विहार जाने वाली बसों के लिए हसनपुर, गाजीपुर और कश्मीरी गेट जाने वाली बसों के लिए मोरी गेट में पार्किंग का इंतजाम किया जा रहा है। वहीं चालक-परिचालकों का कहना है कि अब तक पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। चालकों का कहना है कि यूपी रोडवेज ने कश्मीरी गेट बस अड्डे के पास ही पार्किंग के लिए जगह तलाश ली है। वहां पर बसों को 300 रुपये में पूरे दिन के लिए पार्किंग की सुविधा मिल रही है।

पंचकूला में धड़ल्ले से दौड़ रहे बिना रजिस्ट्रेशन के ई-रिक्शा, पूछने वाला कोई नहीं

परिवहन विशेष न्यूज

पंचकूला। शहर की सड़कों पर कई ई-रिक्शा बिना रजिस्ट्रेशन के दौड़ रहे हैं। अगर हादसा हो जाए तो इन्हें पकड़ना मुश्किल हो जाएगा। ई-रिक्शा चलाने में कई तो कम उम्र के बच्चे होते हैं, जिनके पास लाइसेंस नहीं है। ई-रिक्शा में चार लोगों के बैठने की जगह है, लेकिन चालक आठ सवारियां बैठा लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। इन्हें पूछने वाला कोई नहीं है।

-ई-रिक्शा गाडिय़ां प्रदूषण नहीं करती

ई-रिक्शा गाड़ियां धुआं नहीं उड़ाती। इनमें बैटरी लगी होती है जिससे इंजन चलता है। पेट्रोल-डीजल की तुलना में प्रति किमी बैटरी की खपत भी कम है। इसी कारण अन्य परिवहन के दूसरे साधनों की अपेक्षा ई-रिक्शा तेजी से पकड़ बना रहा है। पंचकूला शहर की सडक़ों पर इन दिनों सैकड़ों की संख्या में ई-रिक्शा सवारियां सफर करते हुए साफ देखे जा रहे है।

निजी अंतरराज्यीय बसें पर ही यात्रियों को चढ़ाएंगी व उतारेंगी, परिवहन विभाग ने बनाए दिशा-निर्देश

परिवहन विशेष न्यूज

परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली के तीनों आईएसबीटी कश्मीरी गेट, आनंद विहार और सराय काले खां पर पहले से अब बसों के रुकने के समय को कम किया गया है, साथ ही अन्य सुविधाओं को भी बढ़ाया है। निजी अंतरराज्यीय बसों को लेकर अब दिशा निर्देश तैयार किए गए हैं।

ubZ राजधानी में निजी अंतरराज्यीय बसें केवल आईएसबीटी पर ही यात्रियों को पिक और ड्रॉप करेंगी। दिल्ली परिवहन विभाग ने निजी बस ऑपरेटरों के लिए दिशा निर्देश बनाए हैं। यह दिशा निर्देश विशेष तौर पर इसलिए तैयार किए गए हैं कि निजी बसें मनमाने तरीके से कहीं भी न रुकें और यात्रियों के पिक और ड्रॉप को लेकर एक नियम लागू हो। इससे न केवल सड़कों पर निजी बसों की वजह से लगने वाला जाम खत्म होगा बल्कि दुर्घटनाओं पर भी लगाम लगेगी।

परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली के तीनों आईएसबीटी कश्मीरी गेट, आनंद विहार और सराय काले खां पर पहले से अब बसों के रुकने के समय को कम किया गया है, साथ ही अन्य सुविधाओं को भी बढ़ाया है। निजी अंतरराज्यीय बसों को लेकर अब दिशा निर्देश तैयार किए गए हैं। अब दिशा निर्देश के अनुसार ही बसें चलेंगी। परिवहन विभाग के नियमों के

अनुसार, पर्यटक परमिट वाली बसें, अंतरराज्यीय पर्यटक बसें और अनुबंधित कैरिज बसें केवल निर्धारित आईएसबीटी पर ही यात्रियों को चढ़ाएंगी और उतारेंगी। दिल्ली में किसी अन्य स्थान से कोई भी पिकअप या ड्रॉप-ऑफ नहीं किया जा सकता है। अधिकारियों ने बताया कि दिशा निर्देश में यह भी कहा गया है कि बस ऑपरेटरों को यात्रियों की डिजिटल और भौतिक रूप से सूची अपने पास रखनी होगी, जिसमें यात्री कहां से बस में बैठा और कहां उतरेगा इसकी भी जानकारी होगी। इन बसों में वहीं लोग यात्रा करेंगे जिनका पहले से टिकट बुक होगा।

पांच स्थानों पर होता है नियमों का उल्लंघन

विभाग ने पांच स्थानों की पहचान की है जहां अक्सर नियमों का उल्लंघन होता है। इसमें मजनूं का टीला, अक्षरधाम, आनंद विहार, सरोजिनी नगर और धौला कुआं है। इन क्षेत्रों में कई बसें फ्लाईओवर या कैरिजवे पर रुकती हैं, जिससे यातायात बाधित होता है और यात्रियों की जान को भी खतरा होता है। अधिकारियों ने बताया कि निजी बसों को अनुबंध वाहनों के रूप में संचालित करने के लिए परमिट दिया जाता है, जो यह निर्धारित करता है कि उन्हें पूर्व निर्धारित बिंदुओं पर यात्रा शुरू और समाप्त करनी चाहिए। हालांकि इन बसों को विभिन्न स्थानों पर यात्रियों को उतारने या चढ़ाने का अधिकार है, लेकिन बसें नियमों का उल्लंघन कर कई स्थानों पर लंबे समय तक रुकती हैं। साथ ही कई बस संचालक दिल्ली से माल ढुलाई भी कर रहे हैं। इसमें कर का भुगतान किए बिना माल दूसरों राज्यों में पहुंच रहा है। इससे राजस्व को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

परिवहन विभाग और ट्रैफिक पुलिस करेगी नियमित जांच

परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दिशा निर्देश के पालन को लेकर नियमित जांच की जाएगी। इसके लिए परिवहन विभाग और दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की टीमें विभिन्न जगहों पर जांच करेंगी। नियमों का उल्लंघन करने पर परमिट जब्त और निलंबित किया जा सकता है। अधिकारी ने बताया कि यह आदेश सुचारु यातायात प्रवाह सुनिश्चित करने और पैदल यात्रियों और अन्य वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए जारी किया गया है।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल - 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मैंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

ग्रेटर नोएडा से नोएडा की कनेक्टिविटी होगी आसान

बनेगा 40 फीट ऊंचा फ्लाईओवर; लाखों लोगों को मिलेगा लाभ

ग्रेटर नोएडा को नोएडा एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाली लिंक रोड पर नॉलेज पार्क तीन में फ्लाईओवर बनने जा रहा है। इससे लोगों का सफर आसान हो जाएगा। ये फ्लाईओवर द्रोणाचार्य कॉलेज से हरनंदी पुश्ता तक बनेगा। इस परियोजना के पूरा होने से एलजी चौक से नॉलेज पार्क होते हुए नोएडा सेक्टर-145 व 146 के पास एक्सप्रेसवे तक सीधे पहुंचा जा सकेगा।

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा को नोएडा एक्सप्रेसवे को जोड़ने वाली लिंक रोड पर नॉलेज पार्क तीन में फ्लाईओवर के रास्ते हरनंदी पुश्ता तक कनेक्टिविटी की जाएगी। ये फ्लाईओवर द्रोणाचार्य कॉलेज से हरनंदी पुश्ता तक बनेगा जिसकी लंबाई 250 मीटर होगी।

यूटर्न लेकर जा सकेंगे शारदा गोलचक्कर तक

दरअसल नोएडा एक्सप्रेसवे से हरनंदी के ऊपर पुल से हरनंदी के पुश्ता तक रोड आएगी। नॉलेज पार्क से पुश्ता तक आ रही सड़क पुश्ता से करीब 20 फीट नीचे है। ऐसे में पुश्ता से द्रोणाचार्य कॉलेज तक 40 फीट ऊंचा फ्लाईओवर बनाया जाएगा।

पुश्ता से सटी सर्विस रोड से आने वाले वाहन फ्लाईओवर के नीचे से यूटर्न लेकर शारदा गोलचक्कर तक जा सकेंगे। शारदा गोलचक्कर से पुश्ता जाने वाले वाहन द्रोणाचार्य कॉलेज से फ्लाईओवर के बगल से सर्विस रोड तक जा सकेंगे।

एक्सप्रेसवे तक सीधे जोड़ने के लिए बनी थी योजना

ग्रेटर नोएडा के परीचौक और सूरजपुर घंटाघर टी-प्वाइंट पर ट्रैफिक के बढ़ते दबाव को कम करने के लिए एलजी गोलचक्कर से नोएडा सेक्टर-145 व 146 पर एक्सप्रेसवे तक सीधे जोड़ने के लिए वर्ष 2015 में लिंक रोड की योजना बनाई गई थी। जमीन अधिग्रहण के कारण योजना आगे नहीं बढ़ पाई।

पिछले दिनों ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने पुश्ता के पास किसानों की जमीन पर सहमति और नॉलेज पार्क में टीसीरीज की जमीन का अनिवार्य अधिग्रहण का निर्णय लेने के बाद परियोजना पर काम शुरू हो गया। नोएडा प्राधिकरण की ओर से उनके क्षेत्र में इसी वर्ष मार्च में कार्य शुरू हो गया था।

पुश्ता से नोएडा की ओर बनेगी सड़क

ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में पुश्ता से नोएडा की ओर 1100 मीटर लंबी 60 मीटर चौड़ा संपर्क मार्ग बनना है। पुश्ता ने नॉलेज पार्क तीन की मुख्य सड़क को जोड़ने के लिए फ्लाईओवर बनेगा। 1100 मीटर लंबी सड़क और फ्लाईओवर के निर्माण पर 25 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

इस परियोजना के पूरा होने का लक्ष्य दो वर्ष रखा गया है। इस संपर्क मार्ग के बनकर तैयार हो जाने पर एलजी चौक से नॉलेज पार्क होते हुए नोएडा सेक्टर-145 व 146 के पास एक्सप्रेसवे तक सीधे पहुंच सकेंगे।

लिंक रोड की परियोजना पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। परी चौक पर ट्रैफिक के दबाव का कम करने के लिए एलजी गोलचक्कर से हरनंदी पुश्ता होते हुए लिंक रोड नोएडा ग्रेनो एक्सप्रेसवे तक जुड़ेगी। हरनंदी के पुश्ता के पास सड़क का निर्माण शुरू हो गया है। अगले दो वर्ष में परियोजना का निर्माण पूरा हो जाएगा। ***- एनजी रवि कुमार, सीईओ, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण***

शारदीय नवरात्र, 03 अक्टूबर 2024

शारदीय नवरात्र आश्विन माह, शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शुरू हो जाते हैं। इस बार शारदीय नवरात्र 03 अक्टूबर 2024, गुरुवार से प्रारंभ हो रहे हैं//

नवरात्रि कलश स्थापना मुहूर्त-:

घट (कलश) स्थापना मुहूर्त-:

* आश्विन नवरात्र, घटस्थापना 03 अक्टूबर 2024, गुरुवार, सुबह 06:15 से सुबह 08:45 तक की जा सकती है। सुबह 06:15 से सुबह 07:45 तक शुभ का चौघड़िया भी विद्यमान रहेगा//

घटस्थापना अभिजीत मुहूर्त-:

* दोपहर 11:55 से 12:36 तक शुभ अभिजीत मुहूर्त रहेगा अतः इस समय के दौरान भी घट(कलश) स्थापना की जा सकती है//

*घट (कलश) स्थापना के यह दो मुहूर्त है अतः आप अपनी सुविधा के अनुसार कोई से भी मुहूर्त पर घट स्थापना कर सकते हैं//

नवरात्रि की तिथि-:

प्रतिपदा (मां शैलपुत्री):03 अक्टूबर
द्वितीया (मां ब्रह्मचारिणी):04अक्टूबर
तृतीया (मां चंद्रघंटा):05अक्टूबर
चतुर्थी (मां कुष्मांडा):06अक्टूबर
पंचमी (मां स्कंदमाता):07अक्टूबर
षष्ठी (मां कात्यायनी): 08 अक्टूबर
सप्तमी (मां कालरात्रि):09 अक्टूबर
अष्टमी (मां महागौरी): 10 अक्टूबर
नवमी (मां सिद्धिदात्री): 11 अक्टूबर
{दशहरा 12 अक्टूबर 2024}

_____

नवरात्रि के लिए पूजा सामग्री-:

माँ दुर्गा की प्रतिमा अथवा चित्र, लाल चुनरी, अशोक या आम की पत्तियाँ (बंदरवार के लिए), चावल, दुर्गा सप्तशती की किताब, लाल कलावा, गंगा जल, चंदन, नारियल, कपूर, जौ के बीच, मिट्टी का बर्तन, गुलाल, सुपारी, पान के पत्ते, लौंग, इलायची इत्यादि//

नवरात्रि पूजा विधि-:

सुबह प्रातः जल्दी उठें और स्नान के उपरांत घर व घर के मंदिर को फूल-अशोक व आम के पत्तों की बंदरवार से सजाएं, ऊपर दी गई पूजा सामग्री को एकत्रित करें. पूजा की थाल सजाएं/ मां दुर्गा की प्रतिमा को लाल रंग के वस्त्र जैसे चुनरी की साड़ी इत्यादि रखें/ मिट्टी के बर्तन में जौ के बीज बोएं और नवमी तक प्रति दिन पानी का छिड़काव करें/ पूर्ण विधि के अनुसार शुभ मुहूर्त में कलश को स्थापित करें, इसमें पहले कलश को गंगा जल से भरें, उसके मुख पर अशोक या आम की पत्तियाँ लगाएं और ऊपर नारियल रखें, कलश को लाल कपड़े से लपेटें और कलावा के माध्यम से उसे बांधें, अब इसे मिट्टी के बर्तन के पास रख दें/ फूल, कपूर, अगरबत्ती, ज्योत के साथ पंचोपचार पूजा करें। नौ दिनों तक मां दुर्गा से संबंधित मंत्र का जाप करें/दुर्गा चालीसा- दुर्गा, सप्तशती का पाठ करें और माता का स्वागत करें/ उनसे सुख-समृद्धि की कामना करें/ अष्टमी या नवमी को दुर्गा पूजा के बाद नौ कन्याओं का पूजन करें और उन्हें तरह-तरह के व्यंजनों (पूड़ी, चना, हलवा) का भोग लगाएं. आखिरी दिन दुर्गा के पूजा के बाद घट विसर्जन करें इसमें मां की आरती गाए, उन्हें फूल, चावल चढ़ाएं और बेदी से कलश को उठाएं।

पितृ विसर्जनी अमावस्या 02 अक्टूबर 2024 बुधवार

पंचांग के अनुसार आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को पितृ विसर्जनी अमावस्या कहा जाता है। इस बार पितृ विसर्जनी अमावस्या 02 अक्टूबर 2024,बुधवार को रहेगी।

इस दिन श्राद्ध पक्ष का समापन होता है और शास्त्र मान्यताओं के अनुसार पितृ लोक से आए हुए पितृजन अपने लोक वापस लौट जाते हैं। इस दिन गौ सेवा व योग्य ब्राह्मण सेवा तथा दान- पुण्य- जप इत्यादि करने से पितृजन तृप्त होते हैं और लौटते समय अपने पुत्र, पौत्रों और परिवार को आशीर्वाद देकर जाते हैं।

आश्विन अमावस्या धार्मिक कर्म-:

आश्विन अमावस्या के दिन पितृ पक्ष समाप्त होते हैं इसलिए इस दिन पितरों का पूजन- जलांजलि- तर्पण इत्यादि का विशेष महत्व//

इस दिन पवित्र नदी, जलाशय या कुंड आदि में स्नान करें और सूर्य देव को अर्घ्य देने के बाद पितरों के निमित्त तर्पण किया जाता है//

शास्त्रों में इस दिन पितरों के निमित्त श्रीगीता जी के पाठ / गीता का सातवां अध्याय पढ़ना और भगवान से पितरों की मुक्ति की प्रार्थना करना बताया गया है//

इस दिन संध्या के समय तुलसी- पीपल व घर के परिंडे व दक्षिण दिशा के किसी साफ स्थान पर दीपक जलाएं। शास्त्र मान्यताओं के अनुसार दीपक की रोशनी में पितरों को जाने का रास्ता दिखाया जाता है//

यदि किसी वजह से आपको अपने पितृों के श्राद्ध की तिथि याद न हो तो, इस दिन उनका श्राद्ध किया जा सकता है//

इसके अलावा यदि आप पूरे श्राद्ध पक्ष में पितरों का तर्पण नहीं कर पाये हैं तो, इस दिन पितरों का तर्पण कर सकते हैं//

इस दिन भूले-भटके पितरों के नाम से गौ सेवा करनी चाहिए और किसी योग्य ब्राह्मण को दान दक्षिणा देनी चाहिए//

आश्विन अमावस्या का महत्व ज्ञात और अज्ञात पितृों के पूजन के लिए आश्विन अमावस्या का बड़ा महत्व है, इसलिए इसे सर्व पितृजनी अमावस्या और महालय विसर्जन भी कहा जाता है। इस अमावस्या का श्राद्धकर्म के लिए बहुत महत्व है//

शास्त्र कहते हैं कि पितृ काल में कुछ शुभ व पवित्र कर्म (कार्य) करने के शुभ संकल्प लेने चाहिए। जिसका पुण्य हमारे पितरों को मिल सके और पितरों का आशीर्वाद हमें प्राप्त हो सके।

नवरात्रि पर इंदौर के इन फेमस मंदिरों के कर आएं दर्शन, पूरी होगी हर मनोकामना

आप भी इस शारदीय नवरात्रि पर अपने परिवार के साथ मां दुर्गा के इन मंदिरों में दर्शन के लिए जा सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इंदौर के फेमस माता के मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं।

हर साल देश में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना और सम्मान के लिए नवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। नवरात्रि के मौके पर लोग विशेष रूप में मां के दर्शन के लिए जाते हैं। देश में कई ऐसे ऐतिहासिक मंदिर हैं, जिनका माता रानी से खास कनेक्शन है। मान्यता है कि नवरात्रि में इन ऐतिहासिक मंदिरों में दर्शन करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

ऐसे में आज भी इस नवरात्रि अपने परिवार के साथ मां दुर्गा के इन मंदिरों में दर्शन के लिए जा सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इंदौर के फेमस माता के मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं। इस बार 03 अक्तूबर 2024 से शारदीय नवरात्रि शुरू हो रहे हैं।

बिजासन माता मंदिर, इंदौर

बिजासन माता मंदिर का इतिहास करीब 100 पुराना बताया जाता है। मान्यता के अनुसार, इस मंदिर में जो भी भक्त यहां पर सच्चे मन से मन्नत मांगता है, उसकी सभी मनोकामनाएं जरूर पूरी होती हैं। वहीं संतान प्राप्ति की इच्छा रखने वाले लोगों के लिए भी यह मंदिर बेहद खास है। बिजासन माता मंदिर में मां के नौ स्वरूपों की पिंडी रूप में पूजा की जाती है। यहां पर माता का दिन में तीन बार अलग-अलग श्रृंगार किया जाता है। मंदिर परिसर के पास 12 अलग-अलग मंदिर बने हैं। ऐसे में आप भी नवरात्रि के मौके पर आप भी यहां दर्शन के लिए आ सकते हैं।

लोकेशन- देवी अहिल्याबाई होल्कर हवाई अड्डा क्षेत्र, इंदौर

इंदौर जंक्शन से 9 किमी की दूरी पर यह मंदिर स्थित है।

श्री शीतला माता मंदिर, इंदौर

शीतला माता मंदिर दर्शन के अलावा अच्छे पर्यटन स्थल के लिए भी जाना जाता है। यहां पर शीतला माता झरना है। जो करीब 500 फीट की ऊंचाई से नीचे गिरता है। यह इंदौर के सबसे फेमस झरनों में से एक माना जाता है। नवरात्रि के दिनों में इस मंदिर में मां की विशेष पूजा की जाती है। इस दौरान श्रद्धालु विशेष अनुष्ठान, हवन और आरती में भाग लेते हैं। नवरात्रि के मौके पर इस मंदिर को भव्य रूप से सजाया जाता है।

लोकेशन- नंबर 28, रोड, नंदा नगर, इंदौर

समय- सुबह 07:00 बजे से शाम 06:00 बजे तक

हरसिद्धि माता मंदिर, इंदौर

हरिसिद्धि माता मंदिर इंदौर शहर के बीच पंढरीनाथ क्षेत्र में स्थित है। बताया जाता है कि साल 1766 में देवी अहिल्याबाई होलकर ने इन मंदिर का निर्माण किया था। हरिसिद्धि माता मंदिर मराठा शैली में बनाया गया है। यह मंदिर बेहद आकर्षक है, वहीं नवरात्रि के मौके पर इस मंदिर को फूलों से सजाया जाता है। हालांकि न सिर्फ नवरात्रि बल्कि हर दिन यहां पर भक्तों की भारी भीड़ होती है।

लोकेशन- देवी अहिल्याबाई होल्कर हवाई अड्डा क्षेत्र, इंदौर

समय- सुबह साढ़े 07 व 10 बजे और रात 09:00बजे खुला रहता है।

सूर्य ग्रहण विशेष, (02 अक्टूबर 2024 बुधवार)

आश्विन अमावस्या/02 अक्टूबर बुधवार, के दिन वर्ष का दूसरा और अंतिम सूर्य ग्रहण लगने वाला है। यह सूर्य ग्रहण कंकण सूर्य ग्रहण होगा। यह सूर्य ग्रहण कन्या राशि और हस्त नक्षत्र में लगने जा रहा है। सूर्य ग्रहण का धार्मिक और वैज्ञानिक दोनों महत्व है। इस दौरान तीन ग्रहों पर राहु की सीधी दृष्टि रहने वाली है। बुध, केतु और सूर्य तीनों ग्रह इस दौरान कन्या राशि में बुध, केतु और सूर्य रहेंगे. राहु की सीधी दृष्टि इन सभी ग्रहों पर रहने वाली है।

ज्योतिष के ग्रंथ बृहत्संहिता में ग्रहण के बारे में भविष्यवाणियां की गई हैं। इस ग्रंथ में लिखा है कि जब- जब एक ही महीने में दो ग्रहण एक साथ होते हैं, तब-तब दुनिया में हादसों व प्राकृतिक आपदाओं का ग्राफ बढ़ जाता है।

02 अक्टूबर को दूसरा सूर्य ग्रहण-:

* साल का दूसरा सूर्य ग्रहण 02 अक्टूबर, बुधवार को होगा। यह भी भारत में दिखाई नहीं देगा, इसलिए इसका सूतक काल मान्य नहीं होगा। साल का आखिरी सूर्य ग्रहण एक वलयाकार ग्रहण होगा। यह तब होता है जब पृथ्वी और सूर्य के बीच चंद्रमा हो, लेकिन इसकी दूरी धरती से दूर हो, धरती से दूर होने के कारण चंद्रमा छोटा दिखता है। इस कारण यह इतना बड़ा नहीं होता कि पूरे सूर्य की किरणों को रोक ले, इस वजह इसके चारों ओर एक रिंग जैसी आकृति दिखाई देती है, इस सूर्य ग्रहण का ज्यादातर पथ प्रशांत में होगा, दक्षिण अफ्रीका के चिली और अर्जेंटीना में यह एकदम साफ दिखेगा//

सूर्य ग्रहण समय-:

* 02 अक्टूबर की रात्रि 09:13 मिनट से मध्य रात्रि 03:17 मिनट पर समाप्त होगा/ सूर्य ग्रहण की कुल अवधि-: 6 घंटे 04 मिनट रहेगी//

कहां दिखेगा सूर्य ग्रहण-:

* यह ग्रहण दक्षिण अमेरिका, उत्तरी-अमेरिका के दक्षिणी भागों, प्रशान्त महासागर, एटलांटिक महासागर और न्यूजीलैंड, फिजी आदि देशों में कुछ समय के लिए दिखाई देगा. दिखाई देने वाले मुख्य देश होंगे-चिली, अर्जेंटीना, ब्राज़ील, मैक्सिको, पेरू, न्यूजीलैंड और फिजी में हालांकि, यहां भी बहुत कम समय के लिए दिखाई देगा। इस ग्रहण की कंकण कृति केवल दक्षिणी चिली और दक्षिणी अर्जन्टीना में ही दिखाई देगी//

भारत में मान्य नहीं होगा सूतक काल-:

* सूर्य ग्रहण लगने से 12 घंटे पहले इसका सूतक काल शुरू हो जाता है और ग्रहण लगने के बाद तक रहता है, लेकिन यह सूर्य ग्रहण भारत में नहीं देखा जा सकेगा, इसलिए यहां पर इसका सूतक काल भी मान्य नहीं होगा और और सूर्य ग्रहण के किसी भी प्रकार के नियम पालन करने की भारत में आवश्यकता नहीं है//

रिंग ऑफ फायर (Ring of Fire)-:

* कई बार होता है कि चंद्रमा परिक्रमा करते हुए सूर्य और पृथ्वी के बीच आ जाता है।जिस वजह से चंद्रमा कुछ समय के लिए सूर्य के प्रकाश को धरती पर आने से रोक देता है, इस घटना को सूर्य ग्रहण कहा जाता है।इस दौरान पृथ्वी पर चंद्रमा की परछाई देखने को मिलती है। दरअसल, वलयाकर सूर्य ग्रहण में चंद्रमा धरती से दूर होता है और सूर्य को पूरी तरह से ढक नहीं पाता है। इससे आकाश में आग की रिंग दिखाई देने लगती है।इसे रिंग ऑफ फायर का नाम दिया गया है//

प्राकृतिक आपदाओं की आशंका-:

* सूर्य ग्रहण हो या चंद्र ग्रहण उसका पृथ्वी पर कुछ ना कुछ दुष्प्रभाव जरूर पड़ते हैं। क्योंकि यह घटना सौरमंडल में शुभ नहीं मानी जाती। अग्निकांड- भूकंप- युद्ध- दुर्घटनाएं जैसी आपदाओं का सामना करना पड़ता है//

(नोट-: यह सूर्य ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा, अतः भारत में सूर्य ग्रहण के किसी किसी भी तरह के नियम पालन की आवश्यकता नहीं है)

त्योहार मनाएं, लेकिन शरीर को सेहतमंद रखने के लिए ये फेस्टिव मंत्र भी अपनाएं

विजय गर्ग

इस दौरान न तो खानपान पर लोगों का कंट्रोल रह पाता है और न ही वो यह ध्यान रख पाते हैं कि उनके शरीर के लिए कौन सी चीज ठीक है और कौन सी नहीं।

इस दौरान तले-भुने पकवान, मिठाइयां और अल्कोहल का जमकर इस्तेमाल होता है। जब खाने को आसपास इतनी सारी वेरायटी की स्वादिष्ट चीजें हों तो सेहत और हाजमे का ख्याल रखना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। कुछ लोग तो पेट को डस्टबिन समझकर दिन भर इसमें कुछ न कुछ डालते रहते हैं।

ऐसे में एसिडिटी, पेट फूलना, सिरदर्द और कभी-कभी हार्ट अटैक तक की नौबत आ सकती है। इस हार्ट अटैक को फेस्टिव हार्ट सिंड्रोम भी कहा जाता है, जो ज्यादा खानपान और हरारत की वजह से होता है।

फेस्टिव सीजन में ओवरईटिंग की दिक्कत

रांची में इंटरनल मेडिसिन के डॉक्टर रविकांत चतुर्वेदी कहते हैं कि अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर के महीने त्योहारी महीने हैं। इस दौरान सबसे ज्यादा समस्या ओवरईटिंग की होती है, जिससे पेट फूलना, एसिडिटी, फूड पॉइजनिंग और उससे जुड़ी समस्याएं होती हैं।

इसके अलावा ज्यादा मात्रा में अल्कोहल लेने से भी एसिडिटी और गैस्ट्राइटिस की समस्या हो जाती है।

ज्यादा अल्कोहल लेने से खून में शुगर लेवल, ब्लड प्रेशर या कोलेस्ट्रॉल लेवल तेजी से बढ़ जाता है। खासकर उन लोगों में यह और भी ज्यादा देखा जाता है, जो पहले से डायबिटीज और हाइपरटेंशन के मरीज हैं।

त्योहारों में मैदे और शुगर का बहुत ज्यादा इस्तेमाल

त्योहारों में मैदे और चीनी का इस्तेमाल काफी होता है, जो हमारे शरीर के लिए काफी नुकसानदेह है। मिठाइयों पर चांदी का वर्क लगा होता है, जो दरअसल एल्युमिनियम का होता है। यह सेहत के लिए अच्छा नहीं है।

इसके अलावा, मिठाइयों को सुंदर बनाने के लिए उसमें आर्टिफिशियल कलर और केमिकल प्रिजर्वेटिव्स मिलाते हैं, जो किडनी और लिवर को डैमेज कर सकता है।

मिठाइयों की जगह आजकल दोस्तों या रिश्तेदारों को ड्राईफ्रूट्स या नट्स देने का चलन काफी है, जो अच्छा विकल्प है।

जहरीले तेल में बनते हैं फूड आइटम्स, हार्ट अटैक का खतरा

त्योहारों में दुकानों में बनने वाली मिठाइयां या नमकीन बार-बार जले हुए तेल में तली जाती हैं। तेल बार-बार जलने से जहरीले केमिकल में बदल जाता है। कुकिंग ऑइल तीन से ज्यादा बार इस्तेमाल होने पर वह कार्सिनोजेनिक हो जाता है। कार्सिनोजेन ऐसा एजेंट होता है, जो कैंसर का कारण बनता है।

कैंसर होने के अलावा हार्ट की नसों में ब्लॉकेज, किडनी, लिवर की बीमारियां हो सकती हैं। जला हुआ तेल शरीर में लो डेंसिटी लाइपोप्रोटीन यानी बैड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है।

यह हार्ट अटैक, हार्ट स्ट्रोक को बढ़ाता है। जले हुए तेल में खाने से गले में जलन और एसिडिटी की शिकायत हो सकती है। मोटापे और डायबिटीज का खतरा रहता है।

ज्यादा मीठा खाने वाली महिलाओं को डिप्रेशन की समस्या

नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ की एक स्टडी में 69 हजार महिलाओं पर शुगर के असर को देखा गया। रिसर्चर ने पाया कि जो महिलाएं ज्यादा शुगर का सेवन करती थीं, उनमें डिप्रेशन का खतरा ज्यादा रहता था। जबकि जो महिलाएं कम शुगर लेती थीं, वो डिप्रेशन की चपेट में नहीं आती थीं।

त्योहार में आपकी सेहत बनाए रखेंगे ये तरीके

ओवरईटिंग: ऐसे लगाएं लगाम

दिन भर हर थोड़ी देर में खूब पानी पिएं। शरीर में नमी बनाए रखें।

कहीं खाना खाने गए हैं तो पहले बैठ जाएं और एक ही जगह खाना खाएं।

खाने का वक्त नियत करें। हर थोड़ी देर पर मुंह में कुछ-कुछ डालते न रहें।

त्योहार पर उपहार के बतौर आए फूड पैकेट एक साथ खोलकर न बैठें। थोड़ा सा ही खाएं।

अपनी थाली में कोई भी तीन फूड आइटम्स ही लें।

आखिर में ताजा बना हुआ कोई एक मीठा या डेजर्ट लें।

अल्कोहल: दूरी बनाएं या फ्रूट जूस पिएं

किसी भी तरह का अल्कोहल नुकसान पहुंचा सकता है। अच्छा है कि इससे दूरी बरतें।

अगर आप ड्रिंक लेना चाहते हैं तो खाना खाने के बाद ही लें।

दो ड्रिंक्स के बीच एक गिलास पानी जरूर पिएं।

अल्कोहल के बजाय फ्रूट जूस या नारियल पानी लें।

सेहत डांवाडोल हो गई तो अगले दिन ये करें काम

नॉर्मल रूटीन अपनाएं। न तेजी से और न कम खाएं और न ही ज्यादा एक्सरसाइज करें।

दिन की शुरुआत एक गिलास पानी से करें। सिरदर्द हो तो केला खाएं।

एसिडिटी या पेट फूला हो तो गुलकंद भी खा सकते हैं।

बाजार की मिठाइयों से दूरी ही बरतें, भोजन में लें फाइबर

डॉक्टरों के मुताबिक, त्योहारों के मौसम में हमें पूड़ी-कचौड़ी, पकौड़ी, स्नैक्स, समोसे वगैरह ही खाने को मिलते हैं। एक बार खाने के बाद इनसे दूरी बरतें। खाने में दही का इस्तेमाल जरूर करें। कहीं भी जाएं, भोजन में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा कम से कम लें।

इसके अलावा नीचे लिखी बातों का खास ख्याल रखें-

1. फाइबर और प्रोटीन वाली चीजें ज्यादा खाएं। सलाद का भरपूर सेवन करें।

2. ज्यादातर मिठाइयां दूध, मलाई और चीनी से बनाई जाती हैं। इसके बजाय, गुड़ से बनी मिठाई खा सकते हैं।

3. बाजार की मिठाइयों से बचें।

4. त्योहार के समय भी रेगुलर एक्सरसाइज न छोड़ें।

5. दिन भर खूब पानी पीते रहें। कम से कम 8 गिलास पानी जरूर पिएं।

6. घर का बना ताजा जूस, नींबू पानी, नमकीन लस्सी, छाछ, खीरा या फलों का जूस या नारियल पानी पिएं।

7.8 घंटे की पर्याप्त नींद लेना चाहिए।

इससे त्योहारों में खोई हुई सेहत फिर से वापस पाई जा सकती है।

त्योहार के समय शरीर की बिगड़ी हालत को संवारने और उसे डिटॉक्स करने के लिए घर पर ही कुछ उपाय अपना सकते हैं।

बॉडी को ऐसे करें डिटॉक्स

1-सुबह उठते ही गुनगुने पानी में नींबू पिएं या रात में पानी में पुदीना भिगोकर रख दें। यह पानी पूरा दिन पिएं।

2-दिन भर घर का बना ताजा जूस, नींबू पानी, नमकीन लस्सी, छाछ, खीरा या फलों का जूस लें।

3-खाने में कोई ठोस आहार न लें। लिक्विड ही इस्तेमाल करें। खिचड़ी या दलिया ले सकते हैं, लेकिन दालें नहीं खानी हैं।

4-सब्जियों और फलों का सलाद खाएं। कच्ची सब्जी या फल न अच्छे लगते हों तो जूस, सूप या स्मूदी बनाकर पिएं।

5-दूध, पनीर जैसे डेयरी प्रोडक्ट न लें। अदरक और हल्दी का पानी लें। नियमित अंतराल पर फल खाएं।

6-डिटॉक्स वॉटर पिएं। इसे बनाने के लिए रात में पानी में पुदीना, खीरा और नींबू काटकर रख दें। इस पानी को दूसरे दिन थोड़ा-थोड़ा पिएं।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार
स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

36 आईपीएस और 5 DANIPS अफसरों का हुआ तबादला, पढ़ें क्यों हुआ फेरबदल

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल (LG) वीके सक्सेना ने मंगलवार को 36 भारतीय पुलिस सेवा अधिकारियों (IPS Officers) और पांच दिल्ली अंडमान और निकोबार द्वीप पुलिस सेवा (डीएएनआईपीएस) अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित करने का आदेश दिया।

IPS Officers Transfer एक आधिकारिक आदेश के अनुसार, पुलिस स्थापना बोर्ड की सिफारिश की समीक्षा के बाद व्यापक जनहित में यह आदेश लिया गया है। इस बीच, अक्टूबर के पहले सप्ताह के दौरान राष्ट्रीय राजधानी में विरोध प्रदर्शन, प्रदर्शन और अभियान आयोजित करने के आह्वान के संबंध में जानकारी देते हुए दिल्ली के पुलिस आयुक्त कार्यालय ने सोमवार को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 को लागू करने की घोषणा की। दिल्ली में कई स्थानों पर धारा 163 लागू की गई है।

यह 30 सितंबर से 5 अक्टूबर तक प्रभावी रहेगा

कमिश्नर कार्यालय ने एक बयान में कहा कि प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक और सदर बाजार में शाही ईदगाह के मुद्दे के मद्देनजर प्रचलित सांप्रदायिक माहौल जैसे विभिन्न मौजूदा मुद्दों के कारण दिल्ली में सामान्य माहौल कानून और व्यवस्था के दृष्टिकोण से संवेदनशील है।

वहीं, एमसीडी स्थायी समिति चुनावों का राजनीतिक रूप से अधिभारित मुद्दा और डूसू चुनावों के परिणामों की लंबित घोषणा आदि है।

हिरासत में लेने पर सोनम वांगचुक पहुंचे हाईकोर्ट, जानिए क्यों लद्दाख से दिल्ली तक कर रहे थे पदयात्रा

Sonam Wangchuk Detention पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक और उनके साथियों को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया है। वांगचुक लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर पदयात्रा कर रहे थे। उनकी गिरफ्तारी पर दिल्ली की राजनीति गरमा गई है। आम आदमी पार्टी (आप) ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है।

नई दिल्ली। पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक (Environmental Activist Sonam Wangchuk) व उनके साथियों को दिल्ली पुलिस द्वारा सोमवार रात से हिरासत में रखने पर दिल्ली की राजनीतिक माहौल गरमा गया है। वांगचुक समेत करीब 200 सहयोगियों को पुलिस ने सिंघु सीमा (Singhu Border) पर ही हिरासत में लिया था, जिन्हें बाहरी-उत्तरी जिला के छह थानों में रखा गया है।

माहौल शांत होने पर सभी को छोड़ दिया जाएगा। हिरासत में रखने पर वांगचुक ने बवाना थाने में अनशन शुरू कर दिया।

तीन अक्टूबर को होगी सुनवाई

उधर वांगचुक और अन्य को हिरासत में लेने के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका भी दायर की गई है। मंगलवार को इस मामले का उल्लेख मुख्य न्यायाधीश मनमोहन व न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ में किया गया। मुख्य पीठ ने मामले को सूचीबद्ध करने से इनकार करते हुए तीन अक्टूबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति व्यक्त की।

क्या हैं मांगें

- मार्च का आयोजन लेह एपेक्स बाडी (एलएबी) द्वारा किया गया, जो कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के साथ पिछले चार वर्षों से लद्दाख को राज्य का दर्जा देने की मांग कर रहा है।
- लद्दाख के लिए एक लोक सेवा आयोग की मांग।
- लेह और कारगिल जिलों के लिए अलग लोकसभा सीट बनाने की मांग।
- साथ ही जल्द भर्ती प्रक्रिया और इसे संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर आंदोलन चल रहा है।

साथियों ने की प्रेसवार्ता

लद्दाख से सांसद हजी हनीफा जन, सोनम वांगचुक को सिंघु बॉर्डर पर हिरासत में लेने पर उनके साथियों ने अलोकतांत्रिक बताते हुए उन्हें रिहा करने की मांग की। प्रेस क्लब में आयोजित वार्ता में वांगचुक को समर्थन कर रही संस्था एपेक्स के सह संस्थापक टिजरिंग दोर्जय ने कहा कि लद्दाख में दो सांसद सीट, विधायिका स्थापना, भर्तियां शुरू करना और संविधान की अनुसूची छह के अंतर्गत लद्दाख को लाना जैसी उनकी मांगें

हैं।

दिल्ली की सीएम आतिशी मिलने पहुंचीं

मंगलवार दोपहर मुख्यमंत्री आतिशी भी बवाना थाने पहुंची, लेकिन उन्हें वांगचुक से नहीं मिलने दिया गया। आम चुनाव से पहले सरकार से बातचीत में चुनाव बाद मांगों पर गौर करने की बात कही गई थी, लेकिन जब कोई ध्यान नहीं दिया, तब वे लोग पदयात्रा पर निकले हैं।

CM आतिशी ने उठाए सवाल

इस पर आतिशी ने उनकी गिरफ्तारी और पुलिस के रवैये पर सवाल उठाए। उन्होंने मांग की कि लद्दाख और दिल्ली में एलजी राज खत्म होना चाहिए और दोनों को पूर्ण राज्य का दर्जा मिलना चाहिए।

लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा (Full Statehood status to Ladakh) व संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर वांगचुक व उनके साथी लेह से पदयात्रा कर दिल्ली में महात्मा गांधी की समाधि पर जाना चाहते थे। लेकिन सभी को हिरासत में ले लेने पर मंगलवार सुबह यह मामला गर्मा गया।

सरकार की प्रतिनिधि को न मिलने देना निंदनीय

बवाना थाने के बाहर मीडिया से बातचीत में आतिशी ने कहा कि चुनी हुई सरकार की प्रतिनिधि को वांगचुक से मिलने नहीं दिया जाना निंदनीय है। वे लोग शांतिपूर्ण तरीके से पदयात्रा कर बापू की समाधि पर जाना चाहते थे। उन्होंने कहा कि लद्दाख के लोगों का वोट का अधिकार छीना गया।

थाने के बाहर नारेबाजी

मुख्यमंत्री के जाने के बाद आम आदमी पार्टी (AAP) के विधायक जयभगवान उपकार समेत कई कार्यकर्ता थाने पहुंच गए। उन्होंने भी वांगचुक की गिरफ्तारी और सीएम के न मिलने देने के विरोध में थाने के बाहर कुछ समय के लिए धरना दिया और नारेबाजी की।

केजरीवाल बोले- दिल्ली आना सबका अधिकार

आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल और वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने भी भाजपा और केंद्र पर हमला बोला। केजरीवाल ने मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि दिल्ली में आने से कभी किसानों को रोका जाता है तो कभी लद्दाख के लोगों को रोका जाता है। दिल्ली में सबको आने का अधिकार है, किसी को रोकना गलत है। उन्होंने कहा कि निहत्थे शांतिपूर्ण लोगों से आखिर इन्हें क्या डर लग रहा है?

सिसोदिया ने भी किया पोस्ट

एक अन्य पोस्ट में सिसोदिया ने दिल्ली की कानून-व्यवस्था को लेकर भी केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि दिल्ली में भाजपा के लोग भी सुरक्षित नहीं हैं, हर दिन राजधानी में बिगड़ती कानून-व्यवस्था से मैं बेहद चिंतित हूं। उन्होंने कहा कि केंद्र के इशारे पर सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक पर एलजी ने कार्रवाई की है। उन्हें राजघाट नहीं जाने दिया जा रहा है।

सांसद मनोज तिवारी बनेंगे भगवान परशु राम

नई दिल्ली। देश-विदेश में ख्याति प्राप्त लव कुश रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने लीला स्थल लालकिला मैदान दिल्ली में आयोजित फुल ड्रेस रिहर्सल प्रेस वार्ता में बताया कि रामलीला मंचन इस वर्ष 3 से 13 अक्तूबर 2024 को होगा एवं दशहरा पर्व 12 अक्तूबर 2024 को पूरे देश में धूम धाम से मनाया जायेगा। भोजपुरी फिल्मों के सुपर स्टार, सिंगर, भाजपा सांसद मनोज तिवारी भगवान परशु राम का किरदार निभायेंगे, वहीं दूरदर्शन के ख्याति प्राप्त सीरियल हम लोग में नन्हें का किरदार निभाकर स्टार बने अभिनय चतुर्वेदी लीला मंच पर भरत जी की भूमिका निभायेंगे। विजेन्द्र गुप्ता, दिल्ली विधान सभा में विपक्ष के नेता, राजा जनक और पूर्व विधायक विजय जौली भाजपा नेता गुरू वशिष्ठ, पूर्व मेयर जत्थेदार अवतार सिंह कुंभकरण, अपोलों हास्पीटल के डा. अशोक शर्मा सुसेन वैध, सेवानिवृत आर्मी मेजर शालू वर्मा केकई आदि की भूमिका कर रही है।

अर्जुन कुमार ने कहा जाने माने फिल्म स्टार हिमांशु सोनी प्रभु श्रीराम, कनन मल्होत्रा श्री राम के अनुज लक्ष्मण, समीक्षा भटनागर जगत जननी माता सीता मैया एक्टर केतन करांडे रामभक्त हनुमान, फिल्म अभिनेता निमाई बाली महाबली रावण, लेजेन्ट अभिनेता असरानी राजा जनक के प्रमुख मंत्री, सिगर शंकर साहनी केवट, मनीष चर्तुवदी शिव, हेमन्त पांडे हरिभक्त नारद, मोहित त्यागी विभीषण, विघा शुक्ला कौशल्या आदि अभिनय करेंगे।

अर्जुन कुमार के अनुसार इस बार रामलीला पूर्णतया डिजिटल तकनीक के साथ की जायेगी इसी कम में कमेटी कम्प्यूटर ग्राफिक्स, डिजाईनर के साथ-साथ मुंबई के अनुभवी टैक्नीशियनों की टीम मंच पर प्रस्तुत लीला के दृश्यों को और भव्य स्तर पर पेश करेंगी। लीला के सभी भक्ति गीतों को कमेटी ने मुंबई से मशहूर म्यूनिजक डायरेक्टर और सिगर्स के साथ का नये स्वरूप में रिकार्डिंग करवाई है।

लव कुश रामलीला कमेटी के महामंत्री सुभाष गोयल ने प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि लीला मंच पर 1 अक्तूबर को सायं विख्यात भजन गायक कन्हैया मित्तल द्वारा खाटू श्याम संकीर्तन महोत्सव के साथ भजन संध्या होगी और अनिरूद्धाचार्य महाराज का प्रवचन एवं भजन कार्यकम होगा। 2 अक्तूबर अन्तर्राष्ट्रीय रामलीला महोत्सव एसोसिएशन के तत्वावधान में दिल्ली एनसीआर के स्कूली छात्र-छात्रों द्वारा सम्पूर्ण रामायाण का मंचन होगा।

अभिनेता एवं सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि मैं बचपन से ही अपने गांव की रामलीला के पात्र निभाता रहा हूँ। मुझे खुशी है कि लव कुश रामलीला के मंच पर पूर्व में केवट, अंगद आदि का किरदार कर चुका हूँ। इस बार भगवान परशु राम का रोल करूंगा। यह भगवान परशु राम का

किरदार निभाना निश्चित रूप से बहुत चुनौतीपूर्ण है इसलिए मैं अभी से इस किरदार की तैयारी कर रहा हूँ। दिल्ली विधान सभा में विपक्ष के नेता विजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि मैं प्रभु श्रीराम के काज में जुडा हूँ और मुझे लव कुश रामलीला कमेटी के मंचन पर राजा जनक का रोल करने का अवसर मिला इसके लिए में कमेटी का धन्यवाद करता हूँ, यह मेरे लिए गर्व की बात है।

सेक्शन 163: क्या होती है बीएनएसएस की धारा 163? राजधानी दिल्ली में हुई लागू

Section 163 देश की राजधानी दिल्ली में छह दिनों के लिए धारा 163 लागू की गई है। पहले इसे धारा 144 के नाम से पूरे देश में जाना जाता था। लेकिन एक जुलाई 2023 को इस धारा में बदलाव किया गया था। आइए आज हम आपको इस लेख में बताएंगे कि आखिर धारा 163 क्या है और इसे दिल्ली में क्यों लागू किया गया है?

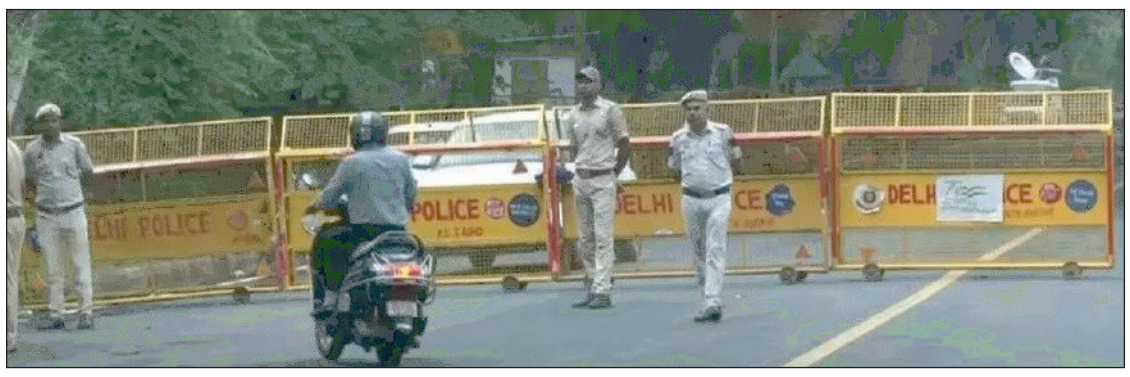

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली (Section 163 imposed in Delhi) में 6 दिनों के लिए धारा 163 लागू की गई है। इसे पहले भारत में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी IPC) की धारा 144 के नाम से जाना जाता था। वहीं, दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने राजधानी के कई इलाकों में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता धारा 163 को लागू किया है।

दिल्ली में Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita (BNSS) की धारा-163 नई दिल्ली, सेंट्रल दिल्ली और उत्तरी दिल्ली के अलावा दिल्ली की सभी सीमाओं पर 30 सितंबर से पांच अक्तूबर तक लागू की गई है।

क्या है धारा 163

भारत में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (धारा 163) को एक जुलाई 2023 में लागू किया गया था। दरअसल, पहले इसे भारतीय दंड संहिता (Criminal Procedure Code) 144 के नाम से जाना जाता था। धारा 163 के तहत देश या किसी भी राज्य में आपातकालीन स्थिति व किसी बड़ी परेशानी पर नियंत्रण किया जा सकता है।

कैसे होती है धारा 163 की कार्रवाई

अगर देश या किसी भी राज्य में अब धारा 163 लागू की जाती है तो सार्वजनिक स्थान पर इट्ठा होने पर रोक लग जाती है। ऐसे स्थिति में विरोध प्रदर्शन पर भी रोक लगा दी जाती है। लेकिन अगर कोई ऐसे में प्रदर्शन करता है तो प्रशासन की ओर से उनके खिलाफ एक्शन लिया जा सकता है।

जिला मस्जिट्रेट तुरंत ले सकते हैं एक्शन

समझ लीजिए अगर आपके शहर में धारा 163 लागू की गई है। लेकिन उसका उल्लंघन करके कोई सार्वजनिक स्थान पर इट्ठा होते हैं या फिर धरना प्रदर्शन करते हैं तो जिला मस्जिस्ट्रेट तुरंत एक्शन ले सकते हैं। उन्हें इस धारा के तहत कार्रवाई करने की पूरी शक्ति प्रदान है।

दिल्ली में क्यों लागू की गई धारा 163 लागू?

दिल्ली पुलिस ने नोटिस जारी करके धारा 163 लागू करने की जानकारी दी है। उन्होंने अपने नोटिस में बताया है कि कई संगठनों ने राजधानी में धरना प्रदर्शन करने का एलान किया है, इसी को देखते हुए धारा 163 लागू की गई है।

इस वजह से दिल्ली में लागू हुई धारा 163

दिल्ली पुलिस ने बताया कि वक्फ संशोधन अधिनियम, एमसीडी स्थायी समिति चुनाव, शादी ईदगाह और DUSU चुनाव के नतीजों की घोषणा भी अभी बाकी है। इन सभी मुद्दों को देखते हुए दिल्ली में धारा 163 लागू की गई है। दिल्ली पुलिस के कमिश्नर संजय अरोड़ा ने इस संबंध में नोटिस के जरिए जानकारी दी है।

दिल्ली में फिर गरजेंगे केजरीवाल, ये है पूरा कार्यक्रम; पहले आरएसएस प्रमुख से पूछे थे 5 सवाल

राजधानी दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल 6 अक्टूबर को दूसरी बार जनता को संबोधित करेंगे। इससे पहले केजरीवाल ने बीती 22 सितंबर को जंतर-मंतर पर पहली बार जनता की अदालत कार्यक्रम का आयोजन किया था। उस दौरान केजरीवाल ने RSS प्रमुख से भाजपा को लेकर 5 सवाल पूछे थे। इससे राजनीतिक माहौल गरमा गया था। इस बार केजरीवाल छत्रसाल स्टेडियम में जनता को संबोधित करेंगे।

नई दिल्ली। आगामी छह अक्टूबर को अरविंद केजरीवाल दिल्ली में दूसरी बार जनता की अदालत कार्यक्रम का आयोजन करेंगे। इस बार यह आयोजन छत्रसाल स्टेडियम में होगा।

मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देने के बाद केजरीवाल का यह दूसरा बड़ा कार्यक्रम होगा। इससे पहले गत 22 सितंबर को जंतर-मंतर पर केजरीवाल ने पहली बार जनता की अदालत कार्यक्रम का आयोजन किया था। उस कार्यक्रम में उन्होंने जनता के नाम संबोधन के दौरान आरएसएस प्रमुख से भाजपा को लेकर पांच सवाल पूछकर राजनीतिक माहौल गरमा दिया था।

बता दें कि दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से पहले अरविंद केजरीवाल ने घोषणा की थी कि वह जनता की अदालत में जाएंगे। जनता उन्हें ईमानदार कहेगी तभी वह दोबारा से मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठेंगे।

आम आदमी पार्टी का कहना है कि भाजपा ने झूठे आरोप लगाकर अपनी एजेंसियों से अरविंद केजरीवाल को इस लिए गिरफ्तार कराया, क्योंकि वह दिल्लीवालों को मिल रही बिजली, पानी, स्कूल, अस्पताल, मोहल्ला क्लीनिक, बुजुर्गों की तीर्थयात्रा, महिलाओ की बस यात्रा समेत अन्य सुविधाएं रोकना चाहती है। आप ने कहा है कि इसके बाद भी हमारी सरकार ने एक भी काम नहीं रुकने दिया।

क्या इस बार दिल्ली में घुटेगा दम? बढ़ेगा प्रदूषण

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पराली का धुआं इस बार भी सांसें फुलाएगा। वजह पंजाब और हरियाणा के खेतों में पराली जलाने के मामले थमने में नहीं आ रहे हैं। पिछले 15 दिनों में लगभग दो सौ मामले सामने आ चुके हैं। खास बात यह है कि इनमें से आधे मामले पंजाब और हरियाणा के सिर्फ तीन जिलों से ही सामने आए हैं।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पराली का धुआं इस बार भी सांसें फुलाएगा। वजह, पंजाब और हरियाणा के खेतों में पराली जलाने के मामले थमने में नहीं आ रहे हैं। पिछले 15 दिनों में लगभग 200 मामले सामने आ चुके हैं। खास बात यह है कि इनमें से आधे मामले पंजाब और हरियाणा के सिर्फ तीन जिलों से ही सामने आए हैं। गौरतलब है कि छह राज्यों में पराली जलाने की घटनाओं पर 15 सितंबर के बाद से निगाह रखी जाने लगती है। पूसा कृषि अनुसंधान संस्थान की शाखा क्रीम्स संस्था द्वारा नियमित रूप से बुलेटिन भी जारी किया जाता है। इसी के मुताबिक, 15 से 30 सितंबर के बीच पराली जलाने के कुल 198 मामले सामने आए हैं।

पंजाब-हरियाणा के 3 जिलों में सबसे ज्यादा घटनाएं

पंजाब और हरियाणा के तीन जिले ऐसे हैं, जहां पर पराली जलाने की सबसे ज्यादा घटनाएं हो रही है। अकेले पंजाब के अमृतसर में 67 घटनाएं सामने आई है। हरियाणा के करनाल में 31 और कुरुक्षेत्र में 16 मामले सामने आई हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि अभी औपचारिक रूप से दिल्ली एनसीआर से मानसून की वापसी नहीं हुई है। हालांकि, राजस्थान और गुजरात के कई हिस्सों में अब मानसून की वापसी का रुख है। इसके साथ ही हवा की दिशा में बदलाव होगा।

हवा की दिशा उत्तरी पश्चिमी होने के साथ ही पराली का धुआं दिल्ली की तरफ आने लगेगा। माना जा रहा है कि सप्ताह भर के अंदर पराली के धुएं का दिल्ली में असर दिख सकता है।

दिल्ली के बिहार भवन में दिखा कुछ ऐसा, जिसे देख सभी के फूले हाथ-पांव; मंगानी पड़ गई लिफ्ट क्रेन

दिल्ली के बिहार भवन में 10 फीट लंबे कोबरा सांप ने हड़कंप मचा दिया। आनन-फानन में बिल्डिंग खाली करवाई गई और अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई। घंटों की खोजबीन के बाद अग्निशमक कर्मियों ने लिफ्ट क्रेन की मदद से कोबरा को पकड़ा और उसे सुरक्षित बाहर निकाला। घटना के समय उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी भवन में मौजूद थे।

नई दिल्ली। दिल्ली के बिहार भवन में उस समय हड़कंप मच गया, जब वहां 10 फीट लंबा कोबरा सांप देखा गया। आनन-फानन बिल्डिंग को खाली करवाया गया और अग्निशमन विभाग को मामले की सूचना दी गई। इसके बाद अग्निशमक कर्मियों ने घंटों खोजबीन के बाद कोबरा सांप को पकड़ा।

अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें चाणक्यपुरी स्थित बिहार भवन में कोबरा सांप के घुसे होने की सूचना मिली थी। सूचना पर तुरंत कर्मियों को भेजा गया, जिन्होंने घंटों बिल्डिंग में खोजबीन की।

लिफ्ट क्रेन के जरिए कोबरा पकड़ा

इसके बाद उन्होंने देखा कि कोबरा सांप पेड़ के ऊपर चढ़ा था। कर्मियों ने लिफ्ट क्रेन के जरिए कोबरा सांप को पकड़ा और दस फीट से भी ज्यादा लंबे जहरीले कोबरा सांप का रेस्क्यू कर उसे जिंदा पेड़ से नीचे उतारा गया, जिसके बाद अधिकारियों और कर्मियों ने राहत की सांस ली। घटना के समय उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी बिहार भवन में ही मौजूद थे।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में प्रबंधकों के कार्यक्षेत्र में हुआ बदलाव, एसीईओ ने जारी किया आदेश

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने सहायक निदेशकों और प्रबंधकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। नथोली सिंह को सहायक निदेशक उद्यान नरोत्तम सिंह को प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक वर्क सर्किल एक राम कुमार को प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक वर्क सर्किल-पांच एवं उद्यान विभाग मनोज कुमार सचान को प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक वर्क सर्किल छह रोड परिवहन व्यवस्था एडवरटाइजिंग एंड पब्लिसिटी के साथ अर्बन सर्विस विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में सहायक निदेशक और प्रबंधकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस द्वारा जारी किए गए आदेश के मुताबिक नथोली सिंह को ग्रेटर नोएडा वेस्ट ग्राम विकास साफ-सफाई के स्थान पर अब सहायक निदेशक उद्यान की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

वह पहले भी इस पद पर लंबे समय तक काम कर चुके हैं। प्रबंधक सिविल नरोत्तम सिंह से प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक वर्क सर्किल एक का चार्ज ले लिया गया। वह प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक के रूप में वर्क सर्किल-तीन का ही काम देखेंगे।

सौंपी गई नई जिम्मेदारी

प्रबंधक सिविल राम कुमार को प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक वर्क सर्किल-पांच एवं उद्यान विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मनोज कुमार सचान वर्क सर्किल छह, रोड परिवहन व्यवस्था, एडवरटाइजिंग एंड पब्लिसिटी के साथ अर्बन सर्विस विभाग में प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक स्तर का कार्य भी देखेंगे।

प्रबंधक सिविल राकेश बाबू को प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक ई-निविदा सेल एवं स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वरिष्ठ प्रबंधक सिविल रतिक को वर्क सर्किल-पांच से हटाकर प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक वर्क सर्किल-एक व स्वास्थ्य विभाग की नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नोएडा एयरपोर्ट को लेकर आया बड़ा अपडेट

पहले दिन ही शुरू होंगी घरेलू और इंटरनेशनल उड़ानें; पढ़ें तारीख

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से विमानन सेवा शुरू करने को लेकर आज अहम बैठक हुई। बता दें एयरपोर्ट के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के लिए यमुना प्राधिकरण (यीडा) ने एक नई समिति का गठन किया है। इस समिति की अध्यक्षता यीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डॉ. अरुणवीर सिंह करेंगे। अगर सबकुछ ठीक रहा तो अप्रैल 2025 में यात्री सेवा शुरू हो जाएगी।

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से विमानन सेवा शुरू करने के संबंध में मंगलवार को अहम बैठक हुई। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. के सीईओ डा. अरुणवीर सिंह की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण, महानिदेशक नागरिक उड्डयन, यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा. लि. के अधिकारी शामिल हुए।

सोमवार को लखनऊ में हुई बैठक

एयरपोर्ट की शुरुआत में फ्लाइट्स व उनके गंतव्य निर्धारित करने के अलावा एयरपोर्ट को शुरू कराने के लिए जरूरी अनापत्ति एवं उसके लिए आवेदन की समय सारिणी भी तय हुई। सोमवार को लखनऊ में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की बोर्ड की बैठक हुई।

15 अक्टूबर तक तय होंगी घरेलू उड़ानें

बैठक में 17 अप्रैल को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट शुरू होगा। बैठक में इस पर फैसला लिया गया। 30 नवम्बर को कमर्शियल ट्रायल होगा। ऐरो ड्रोम लाइसेंस के लिये दिसम्बर में आवेदन होगा। 15 अक्टूबर तक घरेलू उड़ानें तय होंगी। पहले दिन ही घरेलू और इंटरनेशनल उड़ानें शुरू होंगी।

अप्रैल 2025 में यात्री सेवाओं का हो सकता है संचालन

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में यह पहली बोर्ड बैठक थी। इस बैठक में कंपनी की बैलेंस शीट स्वीकृति के लिए रखी गई। एयरपोर्ट की निर्माण प्रगति से बोर्ड को अवगत कराया गया। नोएडा एयरपोर्ट (Noida Airport) से अप्रैल 2025 में यात्री सेवाओं का संचालन शुरू हो जाएगा।

जरूरी दस्तावेज आदि को लेकर चर्चा

एयरपोर्ट के ट्रायल एवं लाइसेंस के लिए दिसंबर तक आवेदन किया जाएगा। एयरपोर्ट के शेष निर्माण कार्य, विभिन्न विभागों से अनापत्ति के लिए आवेदन और स्वीकृति मिलने की समय सारिणी तय होगी। इसमें विभागों की ओर से आवेदन एवं अनापत्ति के लिए मांगे जाने वाले जरूरी दस्तावेज आदि को लेकर चर्चा होगी।

ताकि तय समय में अनापत्ति जारी हो सके और एयरपोर्ट का संचालन समय से शुरू हो जाए। इसके साथ ही एयरपोर्ट से पहली अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट व घरेलू सेवाओं के गंतव्य व उनकी संख्या भी तय होगी।

गुरुग्राम में डेंगू से दूसरी मौत, संक्रमितों की संख्या 76 पहुंची

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम में डेंगू का कहर जारी है। डेंगू से एक प्राइवेट अस्पताल में दो साल की बच्ची की मौत हो गई है। बच्ची डेंगू शॉक सिंड्रोम (डीएसएस) की शिकार हो गई थी। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि बिना एलाइजा जांच के इस मौत को नहीं गिना जा सकता। इस बीच सोमवार को डेंगू के चार नए मरीज मिले हैं।

गुरुग्राम। शहर के एक प्राइवेट अस्पताल में डेंगू से दूसरी मौत का मामला सामने आया है। दूसरी मौत रविवार को सेक्टर 28 सरस्वती विहार निवासी दो साल की बच्ची की हुई है। अस्पताल के बाल रोग विशेष की माने तो बच्ची डेंगू शाक सिंड्रोम (डीएसएस) की शिकार हो गई थी। जिसके चलते उनकी मृत्यु हो गई। हालांकि इस पर स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि बिना एलाइजा जांच इस मृत्यु को नहीं गिना जा सकता।

मूल रूप से बच्ची सरस्वती विहार की रहने वाली थी। पिता ललित कामत ने बताया कि बेटी को चार दिनों से बुखार था। मैक्स अस्पताल के ही एक डॉक्टर से इलाज चल रहा था। रविवार हो जब अचानक बेटी की तबीयत बिगड़ी तो मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया। जहां ग्लूकोज चढ़ाया गया।

बच्ची की गंभीर हालात को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे आइसीयू में भर्ती कर दिया। जहां करीब तीन घंटे बाद डॉक्टरों ने उसे मृतक घोषित कर दिया। इस पर सीएमओ डॉ. विरेंद्र यादव का कहना है कि बच्ची का एजाइजा टेस्ट कंफर्म ही नहीं हुआ। उन्होंने सैंपल ही नहीं भेजा। स्वास्थ्य विभाग से कंफर्म ही नहीं कराया। इसलिए इस मृत्यु की स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन में मृत्यु की गिनती नहीं की गई।

पहली मौत की भी गिनती नहीं

डेंगू से मेदांता अस्पताल में हुई पहली मौत के मामले में भी स्वास्थ्य विभाग का कहना था कि महिला बिहार की रहने वाली थी। जबकि, स्वास्थ्य विभाग जिले के निवासी के संक्रमित होने पर बुलेटिन में ही गिनती करता है।

चार नए मरीज मिले

सोमवार को डेंगू के चार नए मरीज मिले हैं। इसमें लक्ष्मण विहार से 23 वर्षीय युवती, नौरंगपुर से 10 वर्षीय बच्चे और गांधी नगर से नौ वर्ष के बच्चे और ओम नगर से 17 वर्ष की किशोरी की रिपोर्ट में डेंगू की पुष्टि हुई है। संख्या 76 पहुंच गई।

जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. जयप्रकाश ने बताया कि टीम 7241 घरों का सर्वे किया है। यहां से 237 घरों और 594 कंटेनरों में लार्वा मिला है। जबकि 203 लोगों को नोटिस जारी किया गया है। डेंगू के लक्षण दिखने पर संदिग्धता के आधार पर 128 संदिग्धों के सैंपल लिए गए हैं। 12 मरीजों का सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

दर्दनाक हादसा: कार ने बच्चे को रौंदा, इलाज के दौरान मासूम ने तोड़ा दम

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम के सुशांत लोक ए ब्लाक में एक दर्दनाक हादसा हुआ जिसमें एक तीन साल के बच्चे की मौत हो गई। रविवार शाम को बच्चा गली में खेल रहा था तभी एक तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। आनन-फानन में बच्चे को अस्पताल ले जाया गया लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

गुरुग्राम। गुरुग्राम में सुशांत लोक ए ब्लाक में रविवार शाम छह बजे गली में खेल रहे तीन वर्षीय बच्चे को कार चालक ने टक्कर मार दी। हादसे में इलाज के दौरान रात में बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आरोपित के विरुद्ध केस दर्ज किया है।

मूलरूप से मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ निवासी राहुल ने सेक्टर 29 थाने में दी शिकायत में कहा कि वह सुशांत लोक ए ब्लाक स्थित मकान नंबर 773 में गार्ड हैं। इसी मकान में वह परिवार समेत किराये से रहते भी हैं।

बताया कि रविवार शाम छह बजे उनका बेटा कायरव घर के बाहर गली में खेल रहा था। इसी दौरान इसी गली में तीन चार घर छोड़कर रहने वाला संजीव तेज रफ्तार में कार लेकर आया और बच्चे को टक्कर मार दी।

हादसे के बाद परिवार के लोग बच्चे को मैक्स अस्पताल ले गए। यहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने आरोपित कार चालक के विरुद्ध केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिक्षा में शक्ति गुणक के रूप में प्रौद्योगिकी : विजय गर्ग

शिक्षा और प्रौद्योगिकी के अंतर्संबंध ने ज्ञान प्रदान करने के तरीके में गहरा परिवर्तन लाया है

शिक्षा ने प्रौद्योगिकी को जन्म दिया और प्रौद्योगिकी ने शिक्षा के मुख्य उद्देश्यों को बढ़ावा देने में रफोर्स मल्टीप्लायररू प्रभाव देकर कई मायनों में शिक्षा में क्रांति ला दी। कोविड-19 महामारी ने शैक्षिक प्रणाली में क्रांति लाने में उत्प्रेरक के रूप में काम किया है। कई उद्देश्यों और लक्ष्यों के साथ जिसमें शिक्षा और प्रौद्योगिकी दोनों परस्पर समावेशी और निर्भर हो गए।

इस प्रकार कई शैक्षिक उपकरण उभरे, और प्रौद्योगिकी ने बहुत आवश्यक समय की उपलब्धता को बढ़ाया जिसे विभिन्न और असंख्य तरीकों से उजागर किया जा सकता है, और कैसे प्रौद्योगिकी ऐसे उपकरणों के साथ शिक्षा को बढ़ावा दे रही है। उभरते आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) और वर्चुअल रियलिटी (वीआर) को देखते हुए इसके दुरुपयोग से बचाव करना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी बन जाती है। इस प्रकार सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) संसाधन शिक्षा के साथ-साथ अनुसंधान में भी सहायता करते हैं।

परिणाम-आधारित शिक्षा के लिए शैक्षणिक संस्थानों और विश्वविद्यालयों में एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) के साथ एक शिक्षण प्रबंधन प्रणाली (एलएमएस) शुरू की गई है।

इस प्रकार उच्च शिक्षा का भविष्य प्रौद्योगिकी को प्रभावी ढंग से अपनाने में निहित है, जैसा कि कोविड-19 महामारी के दौरान आने वाली चुनौतियों से सिखाया गया है, जो एक प्रभावी शिक्षण वातावरण के लिए ई-लर्निंग प्लेटफार्मों का अभिनव उपयोग प्रदान करता है।

तकनीकी प्रगति के साथ, अब शिक्षा को बढ़ाना आवश्यक है ताकि यह छात्रों और शिक्षकों दोनों के हितों को पूरा करे।

प्रौद्योगिकी में उल्लेखनीय प्रगति के साथ प्रौद्योगिकी की प्रक्रिया के बारे में जागरूकता पैदा करना बहुत आवश्यक है। ज्ञान हस्तांतरण के लिए शिक्षा प्रणाली में जिस तरह से तकनीकी प्रगति को शामिल किया गया है व ह उल्लेखनीय है। इस प्रकार शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में क्रांतिकारी बदलाव आए हैं और प्रौद्योगिकी (शिक्षण उपकरण) के प्रभावी उपयोग को जबरन सीखने में चुनौतियां सामने आई हैं। जबकि शिक्षा प्रणाली प्रौद्योगिकी-आधारित उपकरणों के कई लाभों का उपयोग कर रही है, कुछ क्षेत्रों में उभर रहे नकारात्मक पहलुओं को देखना और शिक्षा प्रणाली की लगातार बदलती दुनिया में निवारक कदमों पर विचार करना प्रासंगिक और उतना ही महत्वपूर्ण है।. इस प्रकार शिक्षा में सूचना संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) नैतिक, पारदर्शी और सुरक्षित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण हो गई है।

आईसीटी उपकरणों ने शिक्षा क्षेत्र के विकास के तरीके को बदल दिया है। तेजी से उभरती प्रौद्योगिकी और शैक्षिक क्षेत्र अविभाज्य हैं और उच्च शिक्षा में गुणवत्ता की निगरानी और सुधार के लिए वे जुड़वाँ बच्चों की तरह हैं। हालाँकि, शिक्षा में बदलाव के लिए डिजिटल पहुंच से जुड़ी चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता है।

शिक्षा के लिए निरंतर निगरानी, विचार-मंथन और पर्यवेक्षण की आवश्यकता होती है और शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया में प्रौद्योगिकी के आक्रमण के साथ, यह बहुत प्रभावी हो गई है। प्रौद्योगिकी शैक्षिक संसाधनों जैसे ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म और डिजिटल लाइब्रेरी तक पहुंच प्रदान करती है जो सीखने को बहुत रोचक और गतिशील बनाने वाली जानकारी का खजाना प्रदान करती है।

ई-संसाधन बहुत बड़ी मात्रा में सहायता करते हैं, विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता के एकीकरण से जो अनुसंधान और शिक्षाविदों के लिए अवसरों को बढ़ाएगा। प्रौद्योगिकी के डिज़ाइन और उसके कार्यान्वयन में वे दृष्टिकोण और कौशल शामिल हैं जो विविध उपयोगकर्ताओं के लिए आवश्यक हैं। इस प्रकार लैपटॉप, स्मार्टफोन और ऐप्स जैसे विभिन्न उपकरणों के विकास के साथ प्रौद्योगिकी शिक्षा का एक अभिन्न अंग बन गई है, जिसने सीखने की प्रक्रिया को बदल दिया है। आधुनिक समय में प्रौद्योगिकी के साथ शिक्षा ने बहुत प्रगति की है। इस मिश्रण ने पूर्णता प्राप्त करने में मदद की है लेकिन सावधानी के साथ कि इसका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए और प्रतिकूल परिणाम उत्पन्न नहीं होने चाहिए।

सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य शैक्षिक स्तंभकार मालौत

हिंदी का वार्षिक श्राद्ध

कई बार सोचता हूं कि क्या यह महज़ संयोग है कि हर साल हिन्दी पखवाड़ा और पितृ पक्ष साथ-साथ आते हैं। हिन्दी दिवस हर वर्ष 14 सितम्बर को मनाया जाता है और पितृ पक्ष लगभग इसी के साथ शुरू होता है। हर साल की तरह इस बार भी हिन्दी दिवस 14 सितम्बर को मनाया गया और हिन्दी पखवाड़ा 28 सितम्बर तक चला। इस बार पितृ पक्ष 17 सितम्बर से 2 अक्तूबर तक चलेगा। पितृ पक्ष की तिथियां बदलती रहती हैं। पर हिन्दी दिवस हर साल नियत तिथि को ही आता है और पूरे 14 दिन तक चलता है। इस दिन विभिन्न स्पर्धाओं, प्रतियोगिताओं, सम्मेलनों और वार्ताओं का आयोजन होता है। आमंत्रित अतिथि गण, साहित्यकार, अधिकारी और प्रतिस्पर्धी आयोजन के बाद जम कर जीमते हैं और हिन्दी को जन-जन में लोकप्रिय बनाने के अलावा सरकारी दरबार में किस तरह मुख्य सिंहासन पर विराजमान करवाया जाए, इस पर अपने दिमाग़ के अरबी घोड़े दौड़ाते हैं। पिछले एक दशक से आकंठ ईवेंट मेनेजमैंट में डूबी केन्द्र सरकार ने हिन्दी दिवस को भी इसी श्रेणी में लाकर खड़ा कर दिया है। पिछले चार साल से देश की विभिन्न सरकारी इकाइयों के करीब दस हज़ार हिन्दी अधिकारी और राजभाषा अधिकारी राजभाषा विभाग द्वारा नियत स्थान पर दो दिनों के लिए मिलते हैं। लेकिन इस सम्मेलन में उन्हें नेताओं के कोरे भाषणों और सरकार के पि्ुओं के एकालाप और वार्ताएं सुनने के अलावा कभी अपनी बात कहने का मौक़ा नहीं मिलता। बेचारे घर में बीवी की सुनते हैं, दफ्तर में बॉस की और हिन्दी सम्मेलन में मंत्रियों और सत्ता पक्ष से जुड़े काने विद्वानों की। बेचारे हिन्दी की महानता और महत्व के बारे में ज्ञान लेकर लौट आते हैं और साल भर अंग्रेज़ी भरे सरकारी माहौल में सत्ता की दासी हिन्दी को पटरानी बनाने की कागज़ी कोशिश में जुट जाते हैं। लेकिन आज़ादी के पचहत्तर सालों के बाद भी सरकारी दरबार में पटरानी बन कर घूम रही अंग्रेज़ी का बाल भी बींका नहीं कर पाते। यहां तक कि अपने हिन्दी भाषणों में गा-गाकर हिन्दी बोलने वाले प्रधानमंत्री विदेशी मंचों पर इसी अन्दाज़ में ग़लत अंग्रेज़ी बोलने का मोह नहीं छोड़ पाते।

प्रधानमंत्री अमेरिकी संसद में पिलर को पीलर बोलते हैं, बौद्धिक मंच पर सक को शक कहते हैं और इन्वेस्टमैंट इन द गर्ल चाइल्ड को इनवेस्टिगेटिंग इन द गर्ल चाइल्ड बोलते नजर आते हैं। केन्द्रीय सरकारी भाषा में राष्ट्र का गौरव कही जाने वाली हिन्दी को लेकर किसी आम भारतीय की तरह हीनभावना से ग्रस्त प्रधानमंत्री भले सही हिन्दी न बोल पाते हों लेकिन टूटी-फूटी अंग्रेज़ी बोलने से बाज नहीं आते। देश के किसी गम्भीर समस्या से जूझने के दौरान मीडिया मेनेजमैंट में माहिर केन्द्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी लोगों का ध्यान बेतुके मसलों की ओर मोड़ देती है। अगली बार राफेल, हिंडनबर्ग, भ्रष्टाचार, किसान आन्दोलन, बेरोजग़ारी, महंगाई या कोई अन्य मसला खड़े होने पर भाजपा चाहे तो भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान इस्तेमाल नारों 'अंग्रेज़ो भारत छोड़ो' और 'क्विट इण्डिया मूवमैंट' के बीच नई बहस छेड़ सकती है। सरकार के मंत्री और भाजपा के कार्यकर्ता कह सकते हैं कि गांधी और नेहरू ने अंग्रेज़ों को भारत से भगाने वाला नारा अंग्रेज़ी में दिया था, जबकि वीर सावरकर द्वारा हिन्दी में दिए गए नारे के कारण ही देश की आज़ादी संभव हो पाई थी। अतः वीर सावरकर ही हिन्दी के वास्तविक प्रणेता हैं। भारत के कई काले अंग्रेज़ों की तरह गूगल ट्रांसलेट का भी हिन्दी से अंग्रेज़ी या अंग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवाद क़ाबिलेतारीफ है। हुआ यूं कि अपना शत-प्रतिशत काम अंग्रेज़ी में निपटाने वाले एक मंत्रालय में हिन्दी पखवाड़ा के दौरान आयोजित अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता का एक पोस्ट सोशल मीडिया में डालने के बाद सम्बन्धित अधिकारी को ध्यान आया कि उसने पोस्ट को अंग्रेज़ी भाषा में डाला है। कम से कम हिन्दी पखवाड़ा के दौरान इस पोस्ट को राजभाषा में डाला जाना चाहिए था। उसने गूगल ट्रांसलेट का सहारा लिया। गूगल ट्रांसलेट ने अंग्रेज़ी टेक्स्ट 'आल दि एम्पलाईज़ पार्टीसिपेटिड एन्थूजियास्टिकली इन दि हिन्दी अन्त्याक्षरी कम्पीटिशन' का हिन्दी अनुवाद किया 'हिन्दी की अंत्येष्टि प्रतियोगिता में सभी कर्मियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।'

पीए सिद्धार्थ

– :सौजन्य :–

ईवी ड्राइव द फ्यूचर

EV Drive the Future

एमजी विंडसर ईवी को जम्मू में एएम एमजी में किया गया लॉन्च

परिवहन विशेष न्यूज

एएम एमजी जम्मू ने हाल ही में लॉन्च की गई एमजी विंडसर की कीमतों की घोषणा की, जो 13,49,800 रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है। भारत की पहली इंटेलिजेंट सीयूवी एक सेडान के आराम और एसयूवी के विस्तार को जोड़ती है जो ग्राहकों को एक शानदार बिजनेस-क्लास अनुभव प्रदान करती है। सीयूवी को फ्यूचरिस्टिक एयरोडायनामिक डिज़ाइन, विशाल और भव्य इंटीरियर, आश्वस्त सुरक्षा, स्मार्ट कनेक्टिविटी, ड्राइविंग आराम और कई हाई-टेक फीचर्स के साथ पेश किया गया है। इसके अलावा, ग्राहकों को विभिन्न पहलों जैसे कि पहले मालिक के लिए बैटरी पर आजीवन वारंटी, तीन साल के बाद 60% बायबैक का आश्वासन और एमजी ऐप द्वारा ईएचयूबी का उपयोग करके सार्वजनिक चार्जर्स पर एक साल की मुफ्त चार्जिंग के माध्यम से पूर्ण मानसिक शांति सुनिश्चित की जाती है। विंडसर चार रंग विकल्पों में उपलब्ध होगा

इस कार्यक्रम में एएम ग्रुप के नेतृत्व ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें एएम ग्रुप के अध्यक्ष जतिंदर गुप्ता, प्रबंध निदेशक संजय महाजन और निदेशक अंकुर महाजन, अक्षय महाजन और आर्यन महाजन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उनकी उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को और भी महत्वपूर्ण बना दिया क्योंकि उन्होंने जम्मू और आसपास के क्षेत्रों में ग्राहकों के लिए अत्याधुनिक ऑटोमोटिव समाधान लाने के कंपनी के दृष्टिकोण को साझा किया।

इस अवसर पर उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्ति और प्रभावशाली व्यक्ति मे राज महाजन, शर्मिला गुप्ता, वंदना महाजन, साक्षी महाजन, धर्मिंदर सिंह, कंटेंट क्रिएटर मोक्ष अबरोल, शिवानी कौल, सुप्रितिका शर्मा, सोनल शर्मा, रितिका बाली, देवयानी सिंह, माहिरा टंडन, इरफान चौधरी, आशीष कोहली, हरविंकल, चंदीप (पैरा एथलीट), कृतिका खाना (पैरा-एथलीट), लीगली फूडी (जाह्नवी डोगरा), महक, महाजन, रितु महाजन, श्वेतिमा, आरजे रोहित, और निधि गुप्ता (सामाजिक कार्यकर्ता) शामिल रहें।

विंडसर में एयरोग्लाइड डिज़ाइन भाषा है, जो भविष्योन्मुखी है और पारंपरिक विभाजन की अवधारणा से परे है। इंटीरियर भव्य और शानदार है, जिसमें विशाल एयरो लाउंज सीटें हैं जिन्हें 1350 तक झुकाया जा सकता है, साथ ही विशाल इन्फिनिटी व्यू ग्लास रूफ है जो बिजनेस क्लास के अनुभव को बढ़ाता है। इमर्सिव एंटरटेनमेंट और स्मार्ट कनेक्टिविटी फीचर्स सेंट्रल कंसोल में विशाल 15.6 इंच के ग्रैंडव्यू टच डिस्प्ले द्वारा संचालित हैं।

MG विंडसर 38 kWh Li-ion बैटरी पैक के साथ आता है, जो IP67 प्रमाणित है, जो चार ड्राइविंग मोड (इको+, इको, नॉर्मल और स्पोर्ट) के माध्यम से 100KW (136ps) पावर और 200Nm टॉर्क का प्रभावशाली प्रदर्शन प्रदान करता है, जिसके परिणामस्वरूप एक बार चार्ज करने पर 332 किमी** ARAI प्रमाणित रेंज मिलती है।

सरकार ने शुरू की पीएम ई-ड्राइव सब्सिडी योजना, केंद्रीय मंत्री ने वाहन निर्माताओं को दिए खास निर्देश

परिवहन विशेष न्यूज

सरकार ने मंगलवार, 01 अक्टूबर को 10,900 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ प्रधानमंत्री ई-ड्राइव योजना शुरू की। इसका उद्देश्य भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में तेजी लाना, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करना और ईवी विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना है। यह योजना 1 अक्टूबर, 2024 से 31 मार्च, 2026 तक लागू रहेगी।

1 अप्रैल, 2024 से 30 सितंबर, 2024 की अवधि के लिए लागू की जा रही ईएमपीएस-2024 (इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्रमोशन स्कीम) को पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत शामिल किया जा रहा है।

पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए सब्सिडी बैटरी पावर के आधार पर 5,000 रुपये प्रति किलोवाट घंटा तय की गई है, लेकिन पहले साल में कुल प्रोत्साहन 10,000 रुपये से अधिक नहीं होगा। दूसरे वर्ष में इसे आधा करके 2,500 रुपये प्रति किलोवाट घंटा कर दिया जाएगा और कुल लाभ 5,000 रुपये से अधिक नहीं होगा।

केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने वाहन निर्माताओं से पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत प्रोत्साहन प्राप्त करते समय दिशानिर्देशों का पालन करने को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि फेम-2 योजना की तरह विवाद की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए।

भारी उद्योग मंत्री की टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि फेम-2 योजना के दूसरे चरण में कुछ कंपनियों पर वित्तीय प्रोत्साहन पाने के लिए नियमों का उल्लंघन करने के आरोप लगे थे।

फेम-2 नियमों के तहत भारत में निर्मित घटकों का उपयोग करके इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन के लिए प्रोत्साहन की अनुमति थी। भारी उद्योग मंत्रालय की जांच में पता चला था कि कुछ कंपनियों ने कथित तौर पर आयातित घटकों का उपयोग किया था।

मंत्रालय ने गुमनाम ईमेल प्राप्त करने के बाद जांच की। जिसमें आरोप लगाया गया था कि कई ईवी निर्माता इलेक्ट्रिक वाहनों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए चरणबद्ध विनिर्माण योजना (पीएमपी) नियमों का पालन किए बिना सब्सिडी का दावा कर रहे थे।

कुमारस्वामी ने कहा, ₹अंत में मैं अपने निर्माताओं से अनुरोध करता हूं क्योंकि फेम 2 योजना में निर्माताओं और हमारे मंत्रालय के बीच कुछ मतभेद हैं क्योंकि 2-3 निर्माता योजना के दिशा-निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं। कुछ मतभेद, कुछ विवाद, वास्तव में हर रोज वे हमारे मंत्रालय को अपने प्रतिनिधित्व दे रहे हैं।₹

पीएम ई-ड्राइव के शुभारंभ को संबोधित करते हुए सभी निर्माताओं से कहा, मेरा व्यक्तिगत अनुरोध है, मैं विवाद या किसी मतभेद की कोई गुंजाइश नहीं देना चाहता। हमने जो भी दिशा-निर्देश बनाए हैं, कृपया उनका पालन करें।

वोल्वो 600 किलोमीटर रेंज वाला इलेक्ट्रिक ट्रक करेगी लॉन्च

परिवहन विशेष न्यूज

एक बार चार्ज करने पर 600 किलोमीटर तक। वोल्वो की अगली पीढ़ी का हेवी-ड्यूटी इलेक्ट्रिक ट्रक इतनी ही दूरी तक चल सकेगा। लंबी दूरी तक चलने वाली यह ट्रक टेलपाइप उत्सर्जन को शून्य करने के साथ लंबी दूरी के परिवहन के लिए एक बड़ी सफलता है। दुनिया भर में भारी ट्रकों का विद्युतीकरण जारी है और अब लम्बी दूरी भी संभव हो रही है।

अगले साल वोल्वो अपने FH इलेक्ट्रिक का एक नया लॉन्ग-रेंज वर्जन लॉन्च करेगी जो एक बार चार्ज करने पर 600 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकेगी। इससे ट्रांसपोर्ट कंपनियों को अंतरक्षेत्रीय और लंबी दूरी के मार्गों पर इलेक्ट्रिक ट्रक चलाने और बिना रिचार्ज किए पूरा कार्य दिवस चलाने की सुविधा मिलेगी। नई वोल्वो FH इलेक्ट्रिक को 2025 की दूसरी छमाही के दौरान बिक्री के लिए जारी किया जाएगा।

वोल्वो ट्रक्स के अध्यक्ष रोजर एल्म कहते हैं कि हमारा नया इलेक्ट्रिक फ्लैगशिप हमारे इलेक्ट्रिक ट्रकों की विस्तृत श्रृंखला के लिए एक बेहतरीन पूरक होगा और लंबी दूरी के लिए भी शून्य-निकास उत्सर्जन परिवहन को सक्षम करेगा। यह उन परिवहन कंपनियों के लिए एक बेहतरीन समाधान होगा जिनके ट्रकों पर सालाना माइलेज अधिक है और जो CO_2 को कम करने के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता रखते हैं।

600 किलोमीटर की रेंज के लिए वोल्वो की नई ड्राइवलाइन तकनीक, तथाकथित ई-एक्सल, सक्षम है, जो ऑनबोर्ड पर काफी अधिक बैटरी क्षमता के लिए जगह बनाती है। अधिक कुशल बैटरी, एक और बेहतर बैटरी प्रबंधन प्रणाली और पावरट्रेन की समग्र दक्षता भी विस्तारित रेंज में योगदान देती है।

वोल्वो ट्रक्स मध्यम और भारी-ड्यूटी इलेक्ट्रिक ट्रकों में वैश्विक अग्रणी है, जिसके पोर्टफोलियो में आठ बैटरी-इलेक्ट्रिक मॉडल हैं। विस्तृत उत्पाद रेंज शहर और क्षेत्रीय वितरण, निर्माण, अपशिष्ट प्रबंधन और जल्द ही लंबी दूरी के परिवहन को विद्युतीकृत करना संभव बनाती है। वोल्वो ने अब तक दुनिया भर के 46 देशों में ग्राहकों को 3,800 से अधिक इलेक्ट्रिक ट्रक वितरित किए हैं।

रोजर एल्म कहते हैं, ₹परिवहन क्षेत्र वैश्विक कार्बन उत्सर्जन का सात प्रतिशत हिस्सा है। बैटरी-इलेक्ट्रिक ट्रक जलवायु पदचिह्न को कम करने के लिए महत्वपूर्ण उपकरण हैं। इलेक्ट्रिक ट्रकों से होने वाले महत्वपूर्ण पर्यावरणीय लाभों के अलावा, वे ट्रक ड्राइवरों को बहुत बेहतर कार्य वातावरण प्रदान करते हैं, जिसमें शोर और कंपन का स्तर बहुत कम होता है।"

वोल्वो ट्रक्स तीन-पथ प्रौद्योगिकी रणनीति का उपयोग करके 2040 तक अपने शुद्ध-शून्य उत्सर्जन लक्ष्य तक पहुँचने के लिए जीवाश्म-मुक्त परिवहन की ओर संक्रमण को आगे बढ़ाता है। तीन-पथ प्रौद्योगिकी दृष्टिकोण बैटरी इलेक्ट्रिक, ईंधन सेल इलेक्ट्रिक और दहन इंजन पर आधारित है जो हरित हाइड्रोजन, बायोगैस या एचवीओ (हाइड्रोजनीकृत वनस्पति तेल) जैसे नवीकरणीय ईंधन पर चलते हैं।

सितंबर 2024 में Hyundai की 64 हजार से ज्यादा बिकी गाड़ियां, CNG मॉडल में हुई 13.8% की बढ़ोतरी

हुंडई मोटर इंडिया ने सितंबर 2024 के लिए 64201 गाड़ियों की बिक्री की है। इसमें से घरेलू बिक्री की संख्या 51101 यूनिट्स और निर्यात हुई गाड़ियों की संख्या 13100 यूनिट्स है। इसके साथ ही कंपनी ने 2024 में 577711 यूनिट्स की कुल थोक बिक्री हासिल कर ली है। इस बिक्री के साथ कंपनी दूसरी नंबर पर बनी हुई है।

नई दिल्ली। भारत में वाहन निर्माता कंपनी हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (HMIL) ने सितंबर 2024 के लिए अपने बिक्री परफॉर्मेंश की घोषणा कर दी है। सितंबर 2024 में कंपनी की कुल 64,201 गाड़ियों की बिक्री हुई है, इसमें घरेलू और निर्यात दोनों संख्याएं शामिल है। नई गाड़ियां लॉन्च करने के साथ ही अपने SUV सेगमेंट को बढ़ाने के बावजूद पिछले साल की तुलना में Hyundai Motor की गाड़ियों की कुल बिक्री में कमी देखे के लिए मिली है।

सितंबर 2024 में Hyundai की बिक्री

हुंडई की सीएनजी से चलने वाली गाड़ियों की मांग में बढ़ोतरी देखी गई है। इनकी सितंबर 2024 में कुल 13.8 प्रतिशत बिक्री हुई है। इस सेगमेंट में सबसे ज्यादा इनकी हुंडई एक्सटर और ग्रैंड आई10 निओस की बिक्री हुई है। इसके अलावा हुंडई क्रेटा, वेन्यू और एक्सटर ने सितंबर 2024 में कंपनी की कुल बिक्री में 70 प्रतिशत का योगदान दिया है।

बिक्री में दूसरी नंबर पर रही हुंडई

सितंबर 2024 में हुंडई की घरेलू बिक्री के मामले में 51,101 बिकी, जो सितंबर 2023 की तुलना में 5.79% कम है। पिछले साल 54,241 गाड़ियों की बिक्री हुई थी। हुंडई ने गाड़ियों की बिक्री में दूसरा स्थान बरकरार रखा है। एक्सपोर्ट के मामले में गिरावट देखने के लिए मिली है। सितंबर 2024 में 13,100 यूनिट शिप की गईं, जबकि पिछले साल 2023 में इसी महीने 17,400 यूनिट शिप की गई थीं, यानी एक्सपोर्ट में 24.71% की गिरावट देखने के लिए मिली है।

किआ इंडिया ने सितंबर में 23,523 यूनिट की दर्ज की बिक्री, 2024 की तीसरी तिमाही में 66,553 घरेलू डिस्पैच के साथ समाप्त हुई

परिवहन विशेष न्यूज

देश में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रीमियम कार निर्माता कंपनियों में से एक किआ इंडिया ने सितंबर 2024 में 23,523 यूनिट की बिक्री दर्ज की, जो सितंबर 2023 में बेची गई 20,022 यूनिट की तुलना में 17% से अधिक की वृद्धि को दर्शाता है। हाल ही में लॉन्च की गई सोनेट किआ की सबसे अधिक बिकने वाली मॉडल बनी हुई है, जिसकी 10,335 यूनिट बिकी हैं, इसके बाद सेल्टोस और कैरेंस क्रमशः 6,959 और 6,217 यूनिट के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

किआ इंडिया ने 2024 की तीसरी तिमाही में 66,553 यूनिट की अच्छी बिक्री दर्ज की, जो इस साल की दूसरी तिमाही की बिक्री की तुलना में लगभग 10% की वृद्धि को दर्शाता है। सोनेट ने 45% का योगदान दिया, उसके बाद सेल्टोस और कैरेंस ने क्रमशः 28% और 27% का योगदान दिया। यह मजबूत प्रदर्शन किआ वाहनों के लिए ग्राहकों की बढ़ती पसंद को रेखांकित करता है, जिससे कंपनी की विकास गति को बढ़ावा मिलता है। किआ के 'मेक इन इंडिया' उत्पाद लगातार मजबूत वैश्विक मांग को आकर्षित कर रहे हैं, जिसका निर्यात 2006 इकाइयों पर दर्ज किया गया है। यह सफलता किआ की विविध बाजारों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाले, अभिनव वाहन देने की प्रतिबद्धता को उजागर करती है, जो अंतरराष्ट्रीय ऑटोमोटिव परिदृश्य में इसकी बढ़ती उपस्थिति को मजबूत करती है। श्री हरदीप सिंह बरार, सीनियर वीपी और बिक्री एवं विपणन प्रमुख ने टिप्पणी की, ₹हमारा निरंतर असाधारण बिक्री प्रदर्शन गणेश चतुर्थी और ओणम के त्यौहारी सीजन के दौरान ग्राहकों से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया से प्रेरित है। यह सफलता हमारी टीम द्वारा लगातार दिए जाने वाले बेजोड़ ग्राहक अनुभव का प्रमाण है। हमने अपने टचपॉइंट्स का विस्तार करने को भी प्राथमिकता दी है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे सर्वश्रेष्ठ-इन-क्लास मोबिलिटी समाधान देश भर में हमारे सभी ग्राहकों के लिए सुलभ हों। जैसे-जैसे हम त्यौहारी अवधि में आगे बढ़ रहे हैं, हमारी ताज़ा उत्पाद लाइन 2 नए पेश किए गए ग्रेविटी ट्रिम्स उच्च त्यौहारी बिक्री के लिए बहुत ज़रूरी प्रोत्साहन प्रदान करेंगे₹।

किआ इंडिया की निरंतर वृद्धि और बाजार प्रदर्शन इसकी रणनीतिक उत्पाद स्थिति और ग्राहकों को मूल्य प्रदान करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। कार्निवल लिमोसिन प्लस और EV9 के आगामी लॉन्च किआ 2.0 की शुरुआत को चिह्नित करते हैं, जो आधुनिक और भविष्य-उन्मुख गतिशीलता समाधानों को फिर से परिभाषित करने पर केंद्रित एक पहल है।

सभी ईवी में बजाज सबसे आगे

परिवहन विशेष न्यूज

बजाज ऑटो देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की सभी श्रेणियों में बिक्री के लिहाज से सबसे बड़ी वाहन कंपनी बन गई है। सितंबर के महीने में अब तक बिक्री और पंजीकरण 25,000 से ज्यादा हो गए हैं। कंपनी द्वारा वितरण विस्तार में बड़े स्तर पर किए गए प्रयास तथा इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों की लगातार मांग के कारण ऐसा संभव हुआ है।

कंपनी 30 सितंबर तक 17,570 इलेक्ट्रिक दोपहिया, 4,575 तिपहिया और कम रफ्तार वाली 3,000 युलु बाइक बेच चुकी है। ये कंपनी के आधिकारिक बिक्री आंकड़े हैं। युलु बाइक को चलाने के लिए किसी तरह के लाइसेंस की जरूरत नहीं होती है और यह 'वाहन' पर पंजीकृत नहीं है। बजाज इनका उत्पादन उस कंपनी के लिए करती है, जिसमें उसकी हिस्सेदारी है।

'वाहन' के आंकड़ों के आधार पर अगस्त में ओला शीर्ष स्थान पर थी, भले ही उसने केवल इलेक्ट्रिक स्कूटर ही बेचे थे और 27,586 वाहनों का पंजीकरण किया गया था। बजाज 24,817 वाहन बिक्री के साथ उसके पीछे थी। यह इसकी तीनों इलेक्ट्रिक श्रेणियों की कुल बिक्री है। हालांकि भावीश अग्रवाल की ओला 22,917 वाहनों के साथ इलेक्ट्रिक दोपहिया में अब भी पहले स्थान पर बनी हुई है।

लेकिन सितंबर में दूसरे स्थान वाली बजाज ऑटो (टीवीएस को तीसरे स्थान पर धकेल कर, जिसकी अब 20 प्रतिशत हिस्सेदारी है) के बीच अंतर कम हो रहा है। 30 सितंबर तक बजाज की अब 21.4 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है जबकि ओला की बाजार हिस्सेदारी 28 प्रतिशत है। इस साल जून में बजाज की हिस्सेदारी केवल 11.6 प्रतिशत थी जबकि 47.5 प्रतिशत के साथ ओला शीर्ष पर थी। यहां तक कि एथर ने भी अपना पारिवारिक इलेक्ट्रिक स्कूटर पेश करने के साथ ही अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाकर 14.2 प्रतिशत कर ली है।

हालांकि यह रुख फिर से बदल सकता है क्योंकि ओला इलेक्ट्रिक मार्च 2025 की पहली तिमाही में आकर्षक शुरुआती कीमत पर अपनी इलेक्ट्रिक मोबाइक पेश करने वाली है, जिससे वह अपनी प्रतिस्पर्धी मौजूदा कंपनियों के मुख्य कारोबार पर असर डाल सकती है।

ईवी के समूचे क्षेत्र में मुख्य रूप से संख्या की बदौलत दोपहिया वाहन साफ तौर पर शीर्ष स्थानों पर हावी हैं। तीसरे स्थान पर टीवीएस (कुल 16,408 पंजीकरण) है और चौथे पर एथर एनर्जी है। ये दोनों इलेक्ट्रिक वाहन की केवल एक ही श्रेणी में काम करती हैं और वह है स्कूटर। अगली पंक्ति में महिंद्रा ऐंड महिंद्रा है (हालांकि समूह की विभिन्न कंपनियों के जरिये), जिसने 6,162 वाहनों की बिक्री की। इनमें यात्री और माल ढुलाई वाले तिपहिया वाहन, इलेक्ट्रिक कार वगैरह शामिल हैं। टाटा एक बार फिर इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों पर अपना ध्यान के साथ पांचवें स्थान पर रही। उसने 3,720 वाहनों की बिक्री की जिनमें यात्री वाहन शामिल हैं।

अच्छी खबर यह है कि सभी वाहन श्रेणियों में इलेक्ट्रिक वाहनों की पैठ सितंबर में अब नौ प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसका मुख्य कारण इलेक्ट्रिक वाहनों की दो प्रमुख श्रेणियों – दोपहिया और तिपहिया में वृद्धि होना है। सभी श्रेणियों में कुल इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकरण में इनकी 95 प्रतिशत हिस्सेदारी है। बजाज को शीर्ष स्थान पर पहुंचने में इसलिए मदद मिली है क्योंकि वह इन दोनों श्रेणियों में इलेक्ट्रिक वाहन बनाती है।

घर पर यूपीएससी परीक्षा की तैयारी कैसे करें

विजय गर्ग

क्या आप यूपीएससी परीक्षा पास करके सिविल सेवक बनने की इच्छा रखते हैं? आज के डिजिटल युग में अब आप घर बैठे ही इस लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं। यह चरण-दर-चरण मार्गदर्शिका आपको सटीक रूप से दिखाएगी कि बिना बाहर कदम रखे यूपीएससी परीक्षा में कैसे महारत हासिल की जाए। ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म और अध्ययन सामग्री की सहायता से, आप उन व्यापक संसाधनों तक पहुँच सकते हैं जो आपकी विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। चाहे आप कामकाजी पेशेवर हों या सीमित समय वाले छात्र हों, अब आप अपना अध्ययन कार्यक्रम डिज़ाइन कर सकते हैं और अपनी सुविधानुसार उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री तक पहुंच सकते हैं। यह मार्गदर्शिका आपकी यूपीएससी तैयारी यात्रा के हर पहलू को कवर करेगी, जिसमें परीक्षा पैटर्न को समझने से लेकर एक प्रभावी अध्ययन योजना बनाने तक शामिल है। आपको सही अध्ययन सामग्री चुनने, अपना समय प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने और प्रक्रिया के दौरान प्रेरित रहने के बारे में बहुमूल्य सुझाव भी मिलेंगे। सही उपकरणों और रणनीतियों के साथ, आप सिविल सेवक बनने के अपने सपनों को हकीकत में बदल सकते हैं। घर से यूपीएससी की पढ़ाई करने के फायदे घर से यूपीएससी परीक्षा के लिए अध्ययन करने से कई फायदे मिलते हैं जो आपकी तैयारी को काफी बेहतर बना सकते हैं। सबसे पहले, यह आपको एक अध्ययन कार्यक्रम बनाने की सुविधा देता है जो आपकी आवश्यकताओं के अनुरूप हो। चाहे आप कामकाजी पेशेवर हों या सीमित समय वाले छात्र हों, आप दिन के विशिष्ट घंटे केंद्रित अध्ययन के लिए आवंटित कर सकते हैं। इसके अलावा, घर से अध्ययन करने से आप अपनी सुविधानुसार उच्च गुणवत्ता वाली अध्ययन सामग्री और संसाधनों तक पहुँच प्राप्त कर सकते हैं। आप ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म की एक विस्तृत श्रृंखला से चुन सकते हैं जो वीडियो व्याख्यान, ई-पुस्तकें और अभ्यास परीक्षण सहित व्यापक यूपीएससी सामग्री प्रदान करते हैं। यह पहुंच सुनिश्चित करती है कि आपकी उंगलियों पर सभी आवश्यक संसाधन हैं, जिससे आपका समय और प्रयास बचता है। अंत में, घर से पढ़ाई करने से लंबी यात्राओं की आवश्यकता समाप्त हो जाती है और एक आरामदायक और परिचित वातावरण मिलता है। आप एक आदर्श अध्ययन स्थान बना सकते हैं जो एकाग्रता और उत्पादकता को बढ़ावा देता है, जो प्रभावी शिक्षण के लिए महत्वपूर्ण है। इन फायदों के साथ, घर से यूपीएससी में महारत हासिल करना न केवल संभव हो जाता है बल्कि फायदेमंद भी हो जाता है। यूपीएससी परीक्षा संरचना और पाठ्यक्रम अपनी यूपीएससी की तैयारी में उतरने से पहले, परीक्षा संरचना और पाठ्यक्रम को समझना आवश्यक है। यूपीएससी परीक्षा में तीन चरण होते हैं: प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार। प्रत्येक चरण का एक विशिष्ट प्रारूप और कवर करने योग्य विषय होते हैं। प्रारंभिक परीक्षा एक वस्तुनिष्ठ प्रकार की परीक्षा है जो आपके सामान्य ज्ञान और योग्यता का आकलन करती है। इसमें दो पेपर शामिल हैं: सामान्य अध्ययन (जीएस) पेपर- I और सिविल सेवा एप्टीट्यूड टेस्ट (CSAT) पेपर- II। जबकि जीएस पेपर- I में इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र और करंट अफेयर्स जैसे विषय शामिल हैं, CSAT पेपर- II समझ, तार्किक तर्क और विश्लेषणात्मक क्षमता पर केंद्रित है। एक बार जब आप प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण कर लेते हैं, तो आप मुख्य परीक्षा के लिए आगे बढ़ते हैं, जो एक लिखित परीक्षा है। इसमें नौ पेपर होते हैं, जिनमें से दो पेपर क्वालीफाइंग प्रकृति के होते हैं, और शेष सात पेपर अंतिम मेरिट सूची के लिए माने जाते हैं। मुख्य परीक्षा में शामिल विषयों में निबंध लेखन, सामान्य अध्ययन और वैकल्पिक विषय शामिल हैं। यूपीएससी परीक्षा का अंतिम चरण साक्षात्कार है, जिसे व्यक्तित्व परीक्षण भी कहा जाता है। यह आपके समग्र व्यक्तित्व, संचार कौशल और समसामयिक मामलों के ज्ञान का आकलन करता है। परीक्षा संरचना और पाठ्यक्रम को समझना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह आपको प्रभावी ढंग से अपनी तैयारी की योजना बनाने और प्रत्येक विषय के अनुसार समय आवंटित करने में मदद करता है। आवश्यक अध्ययनयूपीएससी की तैयारी के लिए सामग्री यूपीएससी परीक्षा में महारत हासिल करने के लिए, आपके पास सही अध्ययन सामग्री होना महत्वपूर्ण है। यूपीएससी की तैयारी के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन विभिन्न संसाधन उपलब्ध हैं। यहां कुछ आवश्यक अध्ययन सामग्रियां दी गई हैं जिन्हें आपको अपनी तैयारी में शामिल करना चाहिए: 1. एनसीईआरटी पुस्तकें: ये पुस्तकें आपकी यूपीएससी तैयारी की नींव हैं। वे इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र और विज्ञान जैसे विषयों में मौलिक अवधारणाओं की व्यापक समझ प्रदान करते हैं। कक्षा 6 से 12 तक की एनसीईआरटी पुस्तकों से शुरुआत करें और धीरे-धीरे उन्नत अध्ययन सामग्री की ओर बढ़ें। 2. मानक संदर्भ पुस्तकें: विशिष्ट विषयों में गहराई से जाने के लिए, विशेषज्ञों द्वारा अनुशंसित मानक संदर्भ पुस्तकें देखें। ये पुस्तकें विभिन्न विषयों का गहन ज्ञान और विश्लेषण प्रदान करती हैं। ऐसी पुस्तकें चुनना सुनिश्चित करें जो यूपीएससी पाठ्यक्रम के अनुरूप हों। 3. समाचार पत्र और पत्रिकाएँ: द हिंदू, द इंडियन एक्सप्रेस जैसे समाचार पत्र और योजना और कुरूक्षेत्र जैसी पत्रिकाएँ पढ़कर समसामयिक मामलों से अपडेट रहें। इससे आपको नवीनतम घटनाओं के बारे में सूचित रहने और विभिन्न मुद्दों की समग्र समझ विकसित करने में मदद मिलेगी। 4. ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म: ऐसे कई ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म हैं जो विशेष रूप से यूपीएससी की तैयारी के लिए डिज़ाइन की गई व्यापक अध्ययन सामग्री, वीडियो व्याख्यान और अभ्यास परीक्षण प्रदान करते हैं। ये प्लेटफ़ॉर्म आपकी अपनी गति से अध्ययन करने की सुविधा प्रदान करते हैं और इंटरैक्टिव शिक्षण संसाधन प्रदान करते हैं। इन अध्ययन सामग्रियों का उपयोग करके, आप एक मजबूत आधार तैयार कर सकते हैं और यूपीएससी पाठ्यक्रम की गहन समझ हासिल कर सकते हैं। यूपीएससी के लिए एक अध्ययन कार्यक्रम बनाना व्यवस्थित रहने और विशाल यूपीएससी पाठ्यक्रम को प्रभावी ढंग से कवर करने के लिए एक अच्छी तरह से संरचित अध्ययन कार्यक्रम महत्वपूर्ण है। 1. यूपीएससी पाठ्यक्रम का विश्लेषण करें: यूपीएससी पाठ्यक्रम का गहन विश्लेषण करके और प्रत्येक विषय के महत्व को समझकर शुरुआत करें। इससे आपको अपने अध्ययन के समय को प्राथमिकता देने और अधिक महत्व वाले विषयों को अधिक घंटे आवंटित करने में मदद मिलेगी। 2. यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करें: पाठ्यक्रम को छोटे, प्राप्त करने योग्य लक्ष्यों में विभाजित करें। विशिष्ट विषयों या विषयों को कवर करने के लिए साप्ताहिक और मासिक लक्ष्य निर्धारित करें। इससे आपको प्रेरित रहने और अपनी प्रगति को प्रभावी ढंग से ट्रैक करने में मदद मिलेगी। 3. अध्ययन के लिए समय आवंटित करें: यह निर्धारित करें कि आप प्रत्येक दिन अपनी यूपीएससी तैयारी के लिए कितने घंटे समर्पित कर सकते हैं। एकाग्रता बनाए रखने के लिए अपने अध्ययन के समय को केंद्रित सत्रों में विभाजित करें, बीच-बीच में छोटे-छोटे ब्रेक लें। 4. एक अध्ययन योजना बनाएं: अपने लक्ष्यों और उपलब्ध अध्ययन समय के आधार पर, एक विस्तृत अध्ययन योजना बनाएं। प्रत्येक विषय और टॉपिक के लिए विशिष्ट घंटे आवंटित करें, यह सुनिश्चित करते हुए कि आप दिए गए समय सीमा के भीतर पूरे पाठ्यक्रम को कवर कर लें। 5. नियमित रूप से रिवीजन करें: अपने अध्ययन कार्यक्रम में नियमित रिवीजन सत्र शामिल करें। अवधारणाओं को सुदृढ़ करने और जानकारी को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए संशोधन आवश्यक है। नियमित अंतराल पर पुनरीक्षण के लिए समर्पित समय आवंटित करें। अपने अध्ययन कार्यक्रम में लचीला होना याद रखें और आवश्यकतानुसार समायोजन करें। प्रभावी और कुशल तैयारी सुनिश्चित करने के लिए निरंतरता और अनुकूलन क्षमता के बीच संतुलन बनाना महत्वपूर्ण है। प्रभावी स्व-अध्ययन के लिए युक्तियाँ यूपीएससी की तैयारी में स्व-अध्ययन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, क्योंकि यह आपको अपने सीखने की जिम्मेदारी लेने और इसे अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने की अनुमति देता है। आपके स्व-अध्ययन सत्र को अधिक प्रभावी बनाने के लिए यहां कुछ सुझाव दिए गए हैं: 1. एक अध्ययन वातावरण बनाएं: एक शांत और आरामदायक अध्ययन स्थान निर्धारित करें जो विकर्षणों से मुक्त हो। किसी भी संभावित व्यवधान को दूर करें और सुनिश्चित करें कि सभी आवश्यक अध्ययन सामग्री आपकी पहुंच में हो। 2. सेलक्ष्य स्पष्ट करें: प्रत्येक अध्ययन सत्र से पहले, आप जो हासिल करना चाहते हैं उसके लिए स्पष्ट लक्ष्य और उद्देश्य निर्धारित करें। इससे आपको पूरे अध्ययन सत्र के दौरान केंद्रित और प्रेरित रहने में मदद मिलेगी। 3. विषयों को तोड़ें: जटिल विषयों को छोटे, प्रबंधनीय भागों में तोड़ें। इससे अवधारणाओं को समझना और समझना आसान हो जाएगा। अपनी समझ को बढ़ाने के लिए नोट्स लें, माइंड मैप बनाएं या दृश्य सामग्री का उपयोग करें। 4. नियमित रूप से अभ्यास करें: यूपीएससी की तैयारी के लिए अभ्यास महत्वपूर्ण है। परीक्षा पैटर्न से परिचित होने और अपने समय प्रबंधन कौशल में सुधार करने के लिए पिछले वर्ष के प्रश्न पत्रों को हल करें, मॉक टेस्ट दें और नमूना पत्रों का प्रयास करें। 5. लगातार बने रहें: प्रभावी स्व-अध्ययन के लिए निरंतरता महत्वपूर्ण है। एक अध्ययन दिनचर्या बनाएं और उस पर कायम रहें। टाल-मटोल करने से बचें और अपनी पढ़ाई की आदतों में अनुशासन बनाए रखें। इन युक्तियों का पालन करके, आप अपने स्व-अध्ययन सत्र की प्रभावशीलता को अधिकतम कर सकते हैं और अपनी यूपीएससी तैयारी में महत्वपूर्ण प्रगति कर सकते हैं। यूपीएससी की तैयारी के लिए ऑनलाइन संसाधन इंटरनेट ने ऑनलाइन संसाधनों की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुंच प्रदान करके यूपीएससी की तैयारी में क्रांति ला दी है। यहां कुछ ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म और टूल हैं जो आपकी यूपीएससी तैयारी को बेहतर बना सकते हैं: 1. ऑनलाइन अध्ययन सामग्री: कई वेबसाइटें ई-पुस्तकें, वीडियो व्याख्यान और नोट्स सहित व्यापक अध्ययन सामग्री प्रदान करती हैं। ये सामग्रियां विभिन्न विषयों को कवर करती हैं और अवधारणाओं की गहन व्याख्या प्रदान करती हैं। 2. ऑनलाइन कोचिंग कार्यक्रम: ऑनलाइन कोचिंग कार्यक्रमों में शामिल होने से संरचित मार्गदर्शन और विशेषज्ञ सलाह मिल सकती है। ये कार्यक्रम आपकी तैयारी को बेहतर बनाने के लिए लाइव कक्षाएं, संदेह-समाधान सत्र और व्यक्तिगत प्रतिक्रिया प्रदान करते हैं। 3. मोबाइल ऐप्स: ऐसे कई मोबाइल ऐप्स उपलब्ध हैं जो यूपीएससी-विशिष्ट सामग्री प्रदान करते हैं, जैसे दैनिक करंट अफेयर्स अपडेट, क्विज़ और अध्ययन सामग्री। ये ऐप्स चलते-फिरते अध्ययन संसाधनों तक पहुंचने का एक सुविधाजनक तरीका प्रदान करते हैं। 4. यूट्यूब चैनल: कई यूट्यूब चैनल यूपीएससी की तैयारी के लिए समर्पित हैं। ये चैनल अनुभवी शिक्षकों से वीडियो व्याख्यान, युक्तियाँ और रणनीतियाँ प्रदान करते हैं। वे दृश्य शिक्षार्थियों के लिए एक मूल्यवान संसाधन हो सकते हैं। 5. ऑनलाइन चर्चा मंच: साथी उम्मीदवारों के साथ बातचीत करने और ज्ञान साझा करने के लिए ऑनलाइन चर्चा मंचों और समुदायों में शामिल हों। ये प्लेटफ़ॉर्म प्रश्न पूछने, शंकाओं पर चर्चा करने और अध्ययन रणनीतियों को साझा करने के लिए स्थान प्रदान करते हैं। इन ऑनलाइन संसाधनों का उपयोग करके, आप अपने स्व-अध्ययन को पूरक कर सकते हैं और यूपीएससी परीक्षा की व्यापक समझ हासिल कर सकते हैं। ऑनलाइन यूपीएससी कोचिंग कार्यक्रम में शामिल होना ऑनलाइन यूपीएससी कोचिंग कार्यक्रम में शामिल होने से संरचित मार्गदर्शन, विशेषज्ञ सलाह और समान विचारधारा वाले उम्मीदवारों का एक सहायक समुदाय प्रदान किया जा सकता है। ऑनलाइन यूपीएससी कोचिंग कार्यक्रमों में शामिल होने के कुछ फायदे यहां दिए गए हैं: 1. विशेषज्ञ मार्गदर्शन: ऑनलाइन कोचिंग कार्यक्रमों का नेतृत्व अनुभवी शिक्षकों द्वारा किया जाता है जिन्हें यूपीएससी परीक्षा की गहरी समझ होती है। वे आपको तैयारी यात्रा में मदद करने के लिए विशेषज्ञ मार्गदर्शन, युक्तियाँ और रणनीतियाँ प्रदान करते हैं। 2. संरचित पाठ्यक्रम: ऑनलाइन कोचिंग कार्यक्रम एक संरचित पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं जो संपूर्ण यूपीएससी पाठ्यक्रम को कवर करता है। वे सभी विषयों को कवर करने के लिए चरण-दर-चरण दृष्टिकोण प्रदान करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि आप कोई भी महत्वपूर्ण विषय न चूकें। 3. वैयक्तिकृत फीडबैक: ऑनलाइन कोचिंग कार्यक्रम अक्सर आपके प्रदर्शन पर वैयक्तिकृत फीडबैक प्रदान करते हैं। इससे आपको अपनी ताकत और कमजोरियों को पहचानने में मदद मिलती है, जिससे आप उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं जिनमें सुधार की आवश्यकता है। 4. संदेह-समाधान सत्र: अधिकांश ऑनलाइन कोचिंग कार्यक्रम संदेह-समाधान सत्र आयोजित करते हैं जहाँ आप प्राप्त कर सकते हैं आपके प्रश्नों का उत्तर विशेषज्ञ संकाय द्वारा दिया गया। यह सुनिश्चित करता है कि आपको अवधारणाओं की स्पष्ट समझ है और आप किसी भी संदेह का समाधान कर सकते हैं। 5. सहकर्मी समर्थन: एक ऑनलाइन कोचिंग कार्यक्रम में शामिल होने से आपको समान विचारधारा वाले उम्मीदवारों के एक सहायक समुदाय तक पहुंच मिलती है। आप साथी छात्रों के साथ बातचीत कर सकते हैं, अध्ययन रणनीतियाँ साझा कर सकते हैं और तैयारी प्रक्रिया के दौरान एक-दूसरे को प्रेरित कर सकते हैं। ऑनलाइन यूपीएससी कोचिंग कार्यक्रम में शामिल होने से आपकी तैयारी को सुव्यवस्थित करने और सफलता की संभावना बढ़ाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और सहायता मिल सकती है। मॉक टेस्ट और पिछले वर्ष के प्रश्न पत्र मॉक टेस्ट और पिछले वर्ष के प्रश्न पत्र यूपीएससी की तैयारी के लिए अमूल्य संसाधन हैं। यहां बताया गया है कि आपको उन्हें अपनी अध्ययन योजना में क्यों शामिल करना चाहिए: 1. परीक्षा सिमुलेशन: मॉक टेस्ट वास्तविक यूपीएससी परीक्षा के माहौल का अनुकरण करते हैं, जिससे आपको परीक्षा पैटर्न, समय की कमी और प्रश्न प्रकारों से परिचित होने में मदद मिलती है। इससे परीक्षा की चिंता कम हो जाती है और परीक्षा के दिन आपका प्रदर्शन बेहतर हो जाता है। 2. समय प्रबंधन: मॉक टेस्ट और पिछले वर्ष के प्रश्न पत्रों को हल करने से आपको प्रभावी समय प्रबंधन कौशल विकसित करने में मदद मिलती है। आप प्रत्येक अनुभाग के लिए सही समय आवंटित करना सीखते हैं और दिए गए समय सीमा के भीतर प्रश्नों का उत्तर देने का अभ्यास करते हैं। 3. कमजोर क्षेत्रों की पहचान करना: मॉक टेस्ट और पिछले वर्ष के प्रश्न पत्रों में अपने प्रदर्शन का विश्लेषण करने से आपको अपने कमजोर क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलती है। यह आपको उन क्षेत्रों में सुधार पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देता है और एक अच्छी तैयारी सुनिश्चित करता है। 4. अवधारणाओं को सुदृढ़ करना: मॉक टेस्ट और पिछले वर्ष के प्रश्न पत्र पुनरीक्षण उपकरण के रूप में कार्य करते हैं। विभिन्न विषयों से प्रश्नों का प्रयास करके, आप अवधारणाओं की अपनी समझ को सुदृढ़ करते हैं और अपने ज्ञान में किसी भी अंतराल की पहचान करते हैं। 5. आत्मविश्वास का निर्माण: नियमित रूप से मॉक टेस्ट और पिछले वर्ष के प्रश्न पत्रों को हल करने से आपका आत्मविश्वास बढ़ता है। यह आपको परीक्षा प्रारूप से परिचित कराता है और आपकी तैयारी के स्तर का आकलन करने में मदद करता है। अपनी परीक्षा की तैयारी बढ़ाने और अपने प्रदर्शन में सुधार करने के लिए मॉक टेस्ट और पिछले वर्ष के प्रश्न पत्रों को अपनी यूपीएससी तैयारी का एक अभिन्न अंग बनाएं। यूपीएससी में सफलता के लिए निष्कर्ष और अंतिम टिप्स अपने घर के आराम से यूपीएससी परीक्षा में महारत हासिल करना न केवल संभव है बल्कि फायदेमंद भी है। ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म, अध्ययन सामग्री और प्रभावी रणनीतियों का उपयोग करके, आप एक अध्ययन योजना तैयार कर सकते हैं जो आपकी विशिष्ट आवश्यकताओं और लक्ष्यों को पूरा करती है। अपनी यूपीएससी यात्रा में सफलता के लिए इन अंतिम युक्तियों को याद रखें: 1. लगातार बने रहें: निरंतरता सफलता की कुंजी है। नियमित अध्ययन दिनचर्या बनाए रखें और उस पर कायम रहें। टाल-मटोल करने से बचें और अपने अध्ययन के समय का सदुपयोग करें। 2. प्रेरित रहें: यूपीएससी की तैयारी चुनौतीपूर्ण हो सकती है, लेकिन प्रेरित रहना महत्वपूर्ण है। यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करें, मील के पत्थर हासिल करने के लिए खुद को पुरस्कृत करें और खुद को सकारात्मक प्रभावों से घेरें। 3. अपडेट रहें: समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और ऑनलाइन स्रोतों को पढ़कर समसामयिक मामलों से अपडेट रहें। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं के बारे में नियमित रूप से सूचित रहने की आदत विकसित करें। 4. नियमित रूप से अभ्यास करें: अभ्यास यूपीएससी परीक्षा को क्रैक करने की कुंजी है। पिछले वर्ष के प्रश्नपत्रों को हल करें, मॉक टेस्ट दें और सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने के लिए अपने प्रदर्शन का विश्लेषण करें। 5. खुद पर विश्वास रखें: अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें और अपनी तैयारी पर भरोसा रखें। प्रक्रिया पर भरोसा रखें और अपने लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहें। सही उपकरण, संसाधन और मानसिकता के साथ, आप यूपीएससी परीक्षा जीत सकते हैं और एक सिविल सेवक के रूप में एक सफल करियर की शुरुआत कर सकते हैं। आज ही अपनी तैयारी यात्रा शुरू करें और अपने सपनों को साकार होने दें उड़ान.

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार

जेईई क्रैक करने के लिए ग्यारहवीं कक्षा में विषय चयन का महत्व

विजय गर्ग

जेईई मेन 2025 को क्रैक करने के लिए ग्यारहवीं कक्षा में विषय चयन का महत्व जेईई पाठ्यक्रम इन भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित के इर्द-गिर्द घूमता है, इसलिए उन्हें चुनने से यह गारंटी मिलती है कि छात्रों को कम उम्र में ही उचित सामग्री मिल जाएगी। इंजीनियर बनने के इच्छुक लोगों के लिए भारत में सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) है। इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए उपयुक्त क्षेत्रों में तैयारी, प्रतिबद्धता और एक ठोस आधार की आवश्यकता होती है। जेईई में सफलता की राह अक्सर ग्यारहवीं कक्षा में शुरू होती है, जब छात्रों को महत्वपूर्ण निर्णय लेना होता है कि कौन से विषय लेने हैं। यह विकल्प चुनने से जेईई उत्तीर्ण करने की आपकी संभावनाओं पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा और अगले दो वर्षों की तैयारी के लिए दिशा तय होगी। एक मजबूत आधार तैयार करना एक छात्र के शैक्षणिक करियर में ग्यारहवीं कक्षा में एक महत्वपूर्ण मोड़ आता है क्योंकि वहां कवर किए गए विचार बारहवीं कक्षा और जेईई पाठ्यक्रम के लिए आधार के रूप में काम करते हैं, जो अधिक कठिन विषयों को कवर करते हैं। ग्यारहवीं कक्षा के लिए चुने गए विषय सीधे जेईई परीक्षा के भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित (पीसीएम) भाग से संबंधित होने चाहिए। जेईई पाठ्यक्रम इन तीन क्षेत्रों के इर्द-गिर्द घूमता है, इसलिए इन्हें चुनने से यह गारंटी मिलती है कि छात्रों को कम उम्र में ही उपयुक्त सामग्री मिल जाएगी। - भौतिकी: यह पाठ्यक्रम वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने और प्राकृतिक प्रक्रियाओं को समझने के लिए गणितीय गणनाओं का उपयोग करने पर केंद्रित है। समकालीन भौतिकी, थर्मोडायनामिक्स, विद्युत चुम्बकीय और यांत्रिकी जैसे विषयों के लिए मजबूत मूलभूत ज्ञान आवश्यक है। – रसायन विज्ञान: भौतिक, जैविक और अकार्बनिक तीन श्रेणियों में विभाजित इस विषय में स्मृति और मानसिक स्पष्टता की आवश्यकता होती है। ग्यारहवीं कक्षा में रसायन विज्ञान को समझने से जेईई के महत्वपूर्ण विषयों को कवर करने में मदद मिल सकती है और कक्षा 12 में सामग्री का प्रबंधन आसान हो सकता है। - निर्देशांक ज्यामिति, त्रिकोणमिति, बीजगणित और कैलकुलस जेईई गणित में शामिल मुख्य विषय हैं। समय-कुशल अभ्यास के लिए, ग्यारहवीं कक्षा में एक मजबूत नींव होना जरूरी है क्योंकि ये विषय जेईई समस्या-समाधान की अधिकांश समस्याओं को बनाते हैं। प्रारंभिक विषय चयन का महत्व अतिरिक्त विषयों को चुनकर संतुलित दृष्टिकोण अपनाना है या केवल पीसीएम पर ध्यान केंद्रित करना है, इसका निर्णय कई छात्रों के लिए एक चुनौती पेश करता है। जेईई की तैयारी करने वाले छात्रों को अन्य विषयों की तुलना में पीसीएम को प्राथमिकता देनी चाहिए, भले ही कंप्यूटर विज्ञान, जीव विज्ञान या अर्थशास्त्र जैसे विषयों का चयन करने से उनके पाठ्यक्रम में विविधता आ सकती है। अतिरिक्त पाठ्यक्रमों को व्यक्तिगत रुचियों और बैकअप नौकरी योजनाओं के आधार पर चुना जाना चाहिए, और उन्हें जेईई की तैयारी से आगे नहीं बढ़ना चाहिए। - समय प्रबंधन: अत्यधिक संख्या में विषयों का चयन करने से आपकी समय सारिणी लंबी हो सकती है और आपके पास जेईई के लिए अध्ययन करने के लिए कम समय बचेगा। जेईई के मूलभूत विषयों को पूरी तरह से समझने और प्रतियोगी परीक्षाओं की पढ़ाई को स्कूली परीक्षाओं के साथ संतुलित करने के लिए पर्याप्त समय निर्धारित करना महत्वपूर्ण है। - प्रतियोगी परीक्षाओं पर ध्यान दें: ग्यारहवीं कक्षा के लिए विषय चुनते समय, छात्रों को अपने दीर्घकालिक उद्देश्यों पर विचार करना चाहिए। यदि जेईई पास करना आपका मुख्य लक्ष्य है, तो आपको ऐसे विषयों का चयन करना चाहिए जो आपको अच्छी तैयारी करने में मदद करेंगे और पाठ्यक्रम से मेल खाएंगे। उदाहरण के लिए, अनावश्यक तनाव डाले बिना पीसीएम पर ध्यान केंद्रित करने से जेईई कोचिंग और स्वतंत्र अध्ययन के लिए अधिक समय मिल सकता है। सेल्फ स्टडी और कोचिंग एक साथ जो छात्र जेईई की तैयारी कर रहे हैं वे अपने सामान्य शैक्षणिक पाठ्यक्रम के अलावा अक्सर कोचिंग कार्यक्रमों में दाखिला लेते हैं। विषयोंजैसे पीसीएम को स्कूली पाठ्यक्रम की तुलना में कोचिंग कक्षाओं में अधिक विस्तार से कवर किया जा सकता है। ग्यारहवीं कक्षा के लिए इन पाठ्यक्रमों को चुनकर, आप आश्वस्त हो सकते हैं कि सीखना समानांतर रूप से होगा, शैक्षणिक ज्ञान कोचिंग ज्ञान को बढ़ाएगा और इसके विपरीत। शैक्षणिक गतिविधियों और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के बीच एक सहक्रियात्मक संबंध को बढ़ावा देकर, यह छात्रों को नियमित रूप से अपने ज्ञान की समीक्षा करने और उसे सुदृढ़ करने में सक्षम बनाता है। लम्बा कैरियर मूल्य ग्यारहवीं कक्षा में, विषय का चयन न केवल जेईई के लिए बल्कि दीर्घकालिक व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए भी मायने रखता है। इंजीनियरिंग के इच्छुक उम्मीदवारों को पीसीएम चुनना चाहिए क्योंकि ये विषय अधिकांश इंजीनियरिंग विषयों के लिए मूलभूत हैं और जेईई के लिए भी आवश्यक हैं। इन पाठ्यक्रमों का चयन इस बात की गारंटी देता है कि छात्र इंजीनियरिंग कार्यक्रमों के तकनीकी घटकों के लिए तैयार हैं। यह समझना असंभव है कि जेईई पास करने के लिए ग्यारहवीं कक्षा का विषय चुनना कितना महत्वपूर्ण है। अपने तात्कालिक शैक्षणिक उद्देश्यों और दीर्घकालिक व्यावसायिक आकांक्षाओं के आधार पर, छात्रों को एक सूचित विकल्प चुनना चाहिए। पीसीएम का चयन जेईई पाठ्यक्रम के पालन की गारंटी देता है, एक ठोस आधार के विकास को बढ़ावा देता है और ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा में कुशल समय प्रबंधन की सुविधा प्रदान करता है। सावधानीपूर्वक विषयों का चयन, सुनियोजित तैयारी और लक्षित कोचिंग के साथ, एक छात्र के जेईई उत्तीर्ण करने की संभावनाओं में काफी सुधार हो सकता है।

अनुभव की स्मृति : विजय गर्ग

विगतगत कुछ दशकों में भारतीय संस्कृति की विशिष्टताओं- सत्य अहिंसा अपरिग्रह साधना ध्यान आदि मूल्यों को एक झटका सा लगा है। चीजें पश्चिमी प्रभाव से लिपट रही हैं। आधुनिक होने के इतने तरीके अपनाए या आजमाए जा रहे कि हम भूल गए हैं कि हमारा मूल क्या है ! निष्कर्ष यह कि जिस गंगा में कभी कीड़े भी नहीं पड़ते थे, उसी की सफाई और सुरक्षा पर करोड़ों रुपए खर्च हो रहे हैं। कानपुर और बनारस जैसे शहरों में आधुनिक उद्योग काला जहरीला तेजाब गंगा में बहा रहे। इंसान इतना भी आधुनिक न हो जाए कि मनुष्य को मनुष्य की जरूरत ही न पड़े। कर्ज की संस्कृति प्रगाढ़ हुई... 'ऋणम्‌कृत्वा घृतम पिबेत' की धारणा आम लोगों में प्रबल होती गई। लगता है, जैसे बाजार हमारे घरों में ही नहीं, हमारे भीतर मन में प्रवेश कर रहा है। बाजारवाद के नियामक हर चीज को बाजारवादी नजरिए से देखने के हामी होते गए। शस्त्रों की खपत खर्च पूरे विश्व में बढ़ी है। सांप्रदायिकता जैसे विश्व की मनोग्रंथि में बसने लगी है।

वहीं कुछ लोग अक्सर अपने वर्तमान पर अतिक्रमण करते हैं, कुछ जो अपनी दूसरी दुनिया विन्यस्त करते रहे। कुछ हद तक अतीत में अतिक्रमित असहमति और विरोधों के ताप में तपकर चमकते रहते हैं, उनकी संख्या बहुत कम है, लेकिन संख्या है तो जरूर ! हो सकता है नीयत में खोट रखने वाला उसे अपने वाद या विचारधारा का अनुगामी बता दे। मगर उनके जीवन में कोई उपसर्ग नहीं जुड़ते। कोई आधुनिकता या वाद उन पर अपना अतिरेक नहीं छोड़ती, लेकिन आत्म प्रत्यय सदा जुड़ते चले जाते हैं। ऐसे लोग उपेक्षित अवस्था में पड़े किसी भवन, भाषा और भूषा, तीनों के बारे में चिंतित दिखाई दे जाएंगे। उनकी गहरी स्मृति से अनुप्रेरित किस्से समाज से जुड़ते चले जाते हैं। ऐसे लोग अक्सर अपनी पीड़ा दूसरों पर नहीं थोपते। भले से सादगी भरे लिबास में अपने गुणों का बिना बखान किए गहरी चुप्पी में वे असाधारण शब्दों को अपने भीतर संजोए रहते हैं। ऐसा नहीं कि वे किसी दुख से कभी न गुजरे, लेकिन पता नहीं जमीन की कौन-सी गहराई से उनके भाव ऊपर आते हैं, यातना की कितनी परतों को फोड़कर उनकी मुस्कराहट में बिखर जाता है और इसे जानने का मौका कभी किसी को नहीं मिलता। परिवार, अपनों को भी नहीं। वे आधुनिक भले ही न हों, लेकिन भीतर से इंसान जरूर बने रहते हैं। हमारे यहां सरलता - तरलता के नाम पर संबंधों के औपचारिक निर्वहन की परंपरा-सी बन गई है। कोई किसी की जरूरत का हिस्सा नहीं। ठीक वैसे ही, जैसे सरलता, तरलता के नाम चलताऊ हिंदी प्रचलन में आ रही चलताऊ भाषा हो या जीवन-व्यवहार बीमार बना रहता है।

ग्रामीण जीवन की यही खासियत लोगों को एक दूसरे से जोड़े रखती है। वहां के लोग छोटी-छोटी जरूरतों के लिए एक दूसरे पर निर्भर रहना पसंद करते हैं। बल्कि वह उनके व्यवहार का एक हिस्सा होता है। शिक्षा से अधिक खर्च शस्त्र और सैन्य बल पर है। आखिर इन वैश्वीकरण के चमकदार नारों के पीछे का मानवीय सत्य क्या है ? क्या इनके जरिए सचमुच दुनिया की बदहाली दूर हो सकेगी ? भूमंडलीकरण की दिशा में क्रय और विक्रय की क्षमता के भरोसे विश्वव्यापी आयोजनों का महिमामंडन कायम है। शहर और कस्बाई लोगों का रुझान बहुप्रचारित ब्रांडेड उत्पादों की ओर ज्यादा नजर आता है। बस इसी तरह हम फिजूलखर्ची को 'स्टेटस सिंबल' या रसूख का प्रतीक मानने लगे। हमारे जीवन में कैसे विलासिता का सामान हमारी जरूरतों में शामिल हो रहा, हम समझना ही नहीं चाहते।

इन दिनों सब अपनी अपनी दुनिया में व्यस्त दिखते हैं, सबके अपने निजी दुख हो गए खुशी के मापदंड भी अलग-अलग। ऐसे में बड़ी सादगी से कुछ लोग हर स्थिति में रचे-बसे सामान्य नजर आ जाते हैं तो बहुत असामान्य-सा लगता है, क्योंकि हम प्रतिक्रियावादी समाज का हिस्सा हैं। किसी विवाद या मत पर साधारण प्रतिक्रिया तो गणना में उतरती ही नहीं, जब तक कि वह कोई मुद्दा न बन जाए। शायद इसलिए जीवन में तात्कालिकता से गुजरते हुए हमें अनुभवों की स्मृतियों के प्रति बहुत सचेत रहने की जरूरत है। कौन-सा अनुभव कौन-सी शक्ल लेने जा रहा है, यह महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि कुछ लोगों के लिए वह एक उदाहरण हो सकता है और कुछ के लिए एक सबक। मनुष्य को मानवीय आत्मीयता के बिना आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। भारतीयों ने यह बात सबसे अधिक और सबसे पहले सोची। आज जबकि नई तकनीक और नए उपभोक्तावादी बाजारवाद का जमाना गरम है, तब भोगवादी संस्कृति को समझना होगा।

जीवन विज्ञान का ही नहीं, मनोसंधान का संतुलित चिंतन है। मनुष्य को मनुष्य की जरूरत बनी रहे, कम से कम इतना अभाव तो सदा बने रहना जरूरी है। बहस से सत्य कमाने का जरिया अब बचा नहीं। तो ऐसे में भूमंडलीय पूंजीवाद क्या अपने इसी रूप-रंग में विश्व मानवता का प्रारूप बन सकता है ? भारतीय अर्थतंत्र साम्राज्यवादी भूमंडलीकरण के चक्र में फंसा हुआ है। भारत का इतिहास एक अखंड प्रवाह में है। एक अंतर्यात्रा के रूप में चला है। हमसे पहले की पीढ़ी और हमारे पूर्वज अनंत कालों के अनुभव के साझेदार हैं। ऐसे में हमारे अनुभवों की दिशा क्या होगी, भावी इतिहास उसे किस रूप में स्मरण करेगा, इस पर चिंतन जरूरी है। हमें इतिहास को खंगालते हुए कुछ मानवीय सूत्र जरूर फिर अन्वेषित करने चाहिए, जिनके बिना मनुष्य होने की कल्पना संभव नहीं। ठीक वैसे ही, जैसे जल के बिना कोई संकल्प, आचमन नहीं हो सकता। मनुष्य ही मनुष्य का विकल्प हो सकता है। यांत्रिक सभ्यता को जीवन में संतुलन साधने की जरूरत है, अन्यथा अनुभवों की स्मृति में केवल यंत्र होंगे, मनुष्य नहीं।

NALCO के शेयरों ने भरी उड़ान, कोटक इंस्टीट्यूशनल ने 58 फीसदी बढ़ाया टारगेट

परिवहन विशेष न्यूज

NALCO Share Price नेशनल एल्युमीनियम कंपनी (NALCO) के स्टॉक में आज करीब 8 फीसदी का उछाल देखने को मिला। इसने आज अपना ऑल टाइम भी बना दिया। NALCO ने एक साल से भी कम में निवेशकों का पैसा दोगुना कर दिया है। इसमें आगे भी ग्रोथ की अच्छी गुंजाइश दिख रही है। ब्रोकरेज फर्म कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने NALCO के टारगेट प्राइस को काफी बढ़ा दिया है।

नई दिल्ली। नेशनल एल्युमीनियम कंपनी (NALCO) के शेयरों में सोमवार को जोरदार तेजी दिखी। दरअसल, ब्रोकरेज फर्म कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने आकर्षक रिस्क-रिवॉर्ड का हवाला देते हुए NALCO की रेटिंग को 'एड' में अपग्रेड कर दिया। इससे कंपनी के शेयरों में करीब 8 फीसदी का जबरदस्त उछाल आया।

कोटक ने NALCO पर क्या कहा?

कोटक का कहना है कि एल्युमीनियम मार्केट में सप्लाई की तंगी है। इससे NALCO को काफी लाभ होने की उम्मीद है। अगर एल्युमीनियम के दाम में इजाफा होता है, तो कंपनी को उसका भी लाभ मिलेगा। यही वजह है कि कोटक इंस्टीट्यूशनल ने NALCO की रेटिंग अपग्रेड करने के साथ ही अपने टारगेट प्राइस को भी 58 फीसदी बढ़ाकर 235 रुपये कर दिया। इसके हिसाब से NALCO में अभी करीब 10 फीसदी का उछाल आ सकता है।

NALCO में रिस्क फैक्टर क्या हैं?

चीन के युन्नान में काम दोबारा शुरू होने से एल्युमीनियम का उत्पादन बढ़ा है। हालांकि, ग्लोबल लेवल पर एल्युमीनियम की डिमांड कमजोर हुई है। इससे निकट अवधि में एल्युमीनियम की कोई खास किल्लत होने की आशंका है। लेकिन, ब्रोकरेज का कहना है कि मिड टर्म में एल्युमीनियम की कमी बरकरार रहने वाली है। इसका NALCO का फायदा मिलेगा।

NALCO के शेयरों का हाल

NALCO के मंगलवार को 6.51 फीसदी के साथ 223.98 रुपये पर थे। इसने पिछले 6 महीने में करीब 40 फीसदी का रिटर्न दिया। वहीं, पिछले एक साल की बात करें, तो NALCO से निवेशकों को 132 फीसदी का मल्टीबैगर रिटर्न मिला है। इसका मार्केट कैप 37.68 हजार करोड़ का है। अगर 52 हफ्ते के हाई लेवल पर नजर डालें, तो यह 227.39 रुपये है, जो कंपनी ने आज बनाया। वहीं, 88.60 रुपये है।

क्या गांधी जयंती पर बंद रहेगा शेयर बाजार? जानिए अक्टूबर में कितनी दिन रहेगी छुट्टी

परिवहन विशेष न्यूज

शेयर मार्केट 2 अक्टूबर (बुधवार) को बंद रहेगा। महात्मा गांधी की जयंती पर सार्वजनिक अवकाश रहता है। ऐसे में बुधवार को इक्विटी इक्विटी डेरिवेटिव SLB करेंसी डेरिवेटिव और इंट्रेस्ट डेरिवेटिव में कारोबार नहीं होगा। अब शेयर मार्केट में नियमित सेशन 3 अक्टूबर को शुरू होगा और निवेशकों को ट्रेडिंग करने की अनुमति मिलेगी। आइए जानते हैं पूरी डिटेल।

नई दिल्ली। शेयर बाजार सभी बड़े त्योहार या दिवस के चलते बंद रहता है। 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती है। इस दिन सार्वजनिक प्रतिष्ठान बंद रहते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या 2 अक्टूबर को शेयर मार्केट बंद रहेगा। इसका जवाब है, हां।

2 अक्टूबर (बुधवार) को शेयर मार्केट में कारोबार नहीं होगा। महात्मा गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में 2 अक्टूबर को दोनों भारतीय स्टॉक एक्सचेंज, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) बंद रहेंगे।

3 अक्टूबर को खुलेगा बाजार

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट के अनुसार, इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव, करेंसी, एसएलबी, कमोडिटी और इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स (ईजीआर) सेगमेंट में ट्रेडिंग 2 अक्टूबर को बंद रहेगी। अब शेयर मार्केट में नियमित सेशन 3 अक्टूबर को शुरू होगा और निवेशकों को ट्रेडिंग करने की अनुमति मिलेगी। 2 अक्टूबर के अतिरिक्त अक्टूबर महीने में और कोई अवकाश नहीं है।

नवंबर में भी बाजार बंदी?

1 नवंबर को दिवाली का शुभ त्योहार है। इस दिन शेयर मार्केट पूरी तरह बंद नहीं होता, लेकिन सामान्य दिनों की तरह ट्रेडिंग भी नहीं होती। शेयर मार्केट दिनभर बंद रहता है और एक्सचेंज शाम को एक स्पेशल ट्रेडिंग सेशन आयोजित करते हैं, जिसे मुहूर्त ट्रेडिंग सेशन कहते हैं। इस सत्र से संवत 2081, एक नए हिंदू कैलेंडर वर्ष की शुरुआत होगी।

चीन और हांगकांग के बाजार बंद

भारत के अतिरिक्त अन्य एशियाई बाजारों की बात करें, तो अक्टूबर में चीन और हांगकांग में छुट्टियां पड़ने वाली हैं। चीन में 1 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक राष्ट्रीय दिवस के उपलक्ष्य में एक सप्ताह का जश्न मनाया जाएगा। ऐसे में इस हफ्ते अब चीन का शेयर मार्केट बंद रहने वाला है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस-AIX कनेक्ट के मर्जर पर DGCA की मुहर, ट्रांसफर हुए सभी विमान

एईएक्स कनेक्ट का एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ मर्जर कंप्लीट हो गया। एविएशन रेगुलेटर डीजीसीए ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी है। एयर इंडिया एक्सप्रेस और एआईएक्स कनेक्ट दोनों ही टाटा ग्रुप की एयरलाइन हैं। AIX Connect पहले एयरएशिया इंडिया नाम से जानी जाती थी। डीजीसीए ने कहा कि इससे हवाई यात्रियों का ट्रैवल एक्सपीरियंस बेहतर करने में मदद मिलेगी।

नई दिल्ली। एयर इंडिया एक्सप्रेस का एआईएक्स कनेक्ट के साथ मर्जर पूरा हो गया। इसने भविष्य के एयरलाइन विलयों के लिए एक नया मानक भी स्थापित किया। इस मर्जर के लिए नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) ने जरूरी रेगुलेटरी मंजूरी दे दी है। एयर इंडिया एक्सप्रेस और एआईएक्स कनेक्ट दोनों ही टाटा ग्रुप की एयरलाइन हैं। AIX Connect पहले एयरएशिया इंडिया नाम से जानी जाती थी।

AIX कनेक्ट के सभी विमान बिना किसी रुकावट के एयर इंडिया एक्सप्रेस के एयर ऑपरेटर सर्टिफिकेट (AOC) में ट्रांसफर कर दिए हैं। इसका मकसद है कि ज्वाइंट वेंचर की एयरलाइन संचालन बिना किसी बाधा के जारी रहे और यात्रियों को बेहतर ट्रैवल एक्सपीरियंस मिले। यह बदलाव 1 अक्टूबर 2024 से प्रभावी हो गया।

DGCA, एविएशन रेगुलेटर

एविएशन रेगुलेटर DGCA का कहना है कि वह मर्जर के बाद ऑपरेशन की सख्त निगरानी करेगा, ताकि सभी नियामक शर्तों के पालन को सुनिश्चित किया जा सके। इससे उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने में भी मदद मिलेगी।

रेगुलेटर ने कहा, 'हमारी कठोर समीक्षा से यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि यह विलय सार्वजनिक हित में है। इससे सुरक्षित हवाई संचालन को बढ़ावा मिलता है और यात्रियों का ओवरऑल एक्सपीरियंस बेहतर होता है।'

DGCA प्रमुख विक्रम देव दत्त ने कहा, "हमें इस मर्जर प्रोसेस काफी महत्वपूर्ण अनुभव मिला है। यह तजुर्बा एयर इंडिया और विस्तारा के आगामी मर्जर के लिए काफी उपयोगी साबित हो सकता है, जिस पर फिलहाल काम चल रहा है।'

जारी हो गए पेट्रोल-डीजल के नए दाम, टंकी फुल कराने से पहले चेक करें लेटेस्ट प्राइस

परिवहन विशेष न्यूज

सरकारी तेल कंपनियों ने 1 अक्टूबर 2024 (मंगलवार) के लिए पेट्रोल-डीजल के दाम जारी कर दिए हैं। दोनों फ्यूल के दाम रोज सुबह अपडेट होते हैं। इनकी कीमतें भी शहर के हिसाब से अलग-अलग हो सकती हैं। ऐसे में गाड़ीचालक को सलाह दी जाती है कि वह लेटेस्ट रेट चेक करने के बाद ही टंकी फुल करवाएं। आइए जानते हैं कि आपके शहर में तेल कितने रुपये लीटर है।

नई दिल्ली। भारत के सभी शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें अलग-अलग होती हैं। इन दोनों फ्यूल का काफी अधिक इस्तेमाल होता है और इनके रेट को रोज सुबह 6 बजे अपडेट किया जाता है। यह जिम्मा देश की मुख्य ऑयल मार्केटिंग कंपनी जैसे- इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (IOCL), हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HPCL), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL) का है।

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 1 अक्टूबर 2024 (मंगलवार) के लिए फ्यूल प्राइस अपडेट कर दिया है। आज भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ। हालांकि, सभी शहरों में दोनों फ्यूल के दाम अलग हैं, तो आपको लेटेस्ट रेट चेक करने के बाद ही फ्यूल भरवाना चाहिए। आइए जानते हैं कि आज आपके शहर में 1 लीटर पेट्रोल-डीजल की कीमत क्या है।

महानगरों में पेट्रोल- डीजल के दाम

दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.76 रुपये और डीजल की कीमत 87.66 रुपये प्रति लीटर है।

मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.43 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 89.95 रुपये प्रति लीटर है।

कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.93 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.75 रुपये प्रति लीटर है।

चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.73 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.32 रुपये प्रति लीटर है।

अन्य शहरों में पेट्रोल- डीजल के दाम

नोएडाः पेट्रोल 94.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर

गुरुग्रामः पेट्रोल 95.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर

बेंगलुरुः पेट्रोल 102.84 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.92 रुपये प्रति लीटर

चंडीगढ़ः पेट्रोल 94.22 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.38 रुपये प्रति लीटर

हैदराबादः पेट्रोल 107.39 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.63 रुपये प्रति लीटर

जयपुरः पेट्रोल 104.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.34 रुपये प्रति लीटर

पटनाः पेट्रोल 105.16 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.03 रुपये प्रति लीटर

जापान के झटके से उबरा स्टॉक मार्केट, हरे निशान में ट्रेड कर रहे सेंसेक्स और निफ्टी

बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 348.1 अंक चढ़कर 84647.88 पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 96.75 अंक बढ़कर 25907.60 पर पहुंच गया। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से टेक महिंद्रा लार्सन एंड टूब्रो स्टेट बैंक ऑफ इंडिया बजाज फिनसर्व इंफोसिस और पावर ग्रिड प्रमुख लाभ में रहीं। एशियन पेंट्स जेएसडब्ल्यू स्टील टाटा स्टील और टाइटन में गिरावट दिखी। आइए जानते हैं मार्केट का पूरा अपडेट।

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को बड़ी गिरावट आई थी। इसकी बड़ी वजह थी जापानी स्टॉक मार्केट का क्रैश होना। हालांकि, मंगलवार को जापानी शेयर मार्केट में सुधार दिखा। शुरुआती कारोबार में निक्केई इंडेक्स (Nikkei 225) करीब 2 फीसदी तक उछल गया। इसका असर आज भारतीय शेयर मार्केट पर भी दिखा। दोनों प्रमुख सूचकांक यानी सेसेंक्स और निफ्टी बढ़त के साथ खुले। आईटी शेयरों में खरीदारी ने भी बाजार को सपोर्ट दिया।

बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 348.1 अंक चढ़कर 84,647.88 पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 96.75 अंक बढ़कर 25,907.60 पर पहुंच गया। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से टेक महिंद्रा, लार्सन एंड टूब्रो, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बजाज फिनसर्व, इंफोसिस और पावर ग्रिड प्रमुख लाभ में रहीं। एशियन पेंट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील और टाइटन में गिरावट दिखी।

एशियाई बाजारों में टोक्यो में तेजी रही। वहीं, दक्षिण कोरिया, हांगकांग और मेनलैंड चाइनीज मार्केट मंगलवार को सार्वजनिक अवकाश के कारण बंद हैं। मेनलैंड छुट्टी के कारण सप्ताह के बाकी दिनों में बंद रहेगा। सोमवार को अमेरिकी बाजार हरे निशान में बंद हुए।

उम्मीद है कि एफआईआई की बिकवाली से हुए नुकसान की भरपाई डीआईआई की खरीदारी से होती रहेगी। इसलिए लंबी अवधि में शेयर बाजार को गंभीर रूप से नुकसान होने की आशंका नहीं है। भारतीय स्टॉक मार्केट में फिलहाल चीन और जापान के बाजारों के चलते अस्थिरता दिख रही है, जिसके जल्द ही सामान्य होने की उम्मीद है।

एक्सचेंज के डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 9,791.93 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 6,645.80 करोड़ रुपये की खरीदारी की।

वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.29 प्रतिशत गिरकर 71.77 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। सोमवार को बीएसई बेंचमार्क 1,272.07 अंक यानी 1.49 प्रतिशत गिरकर 84,299.78 पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान यह 1,314.71 अंक यानी 1.53 प्रतिशत गिरकर 84,257.14 पर आ गया। निफ्टी 368.10 अंक या 1.41 प्रतिशत गिरकर 25,810.85 पर आ गया।

क्या हर IPO में लगाने चाहिए पैसे? कितनी रहती है नफा-नुकसान की गुंजाइश

शेयर मार्केट में फिलहाल आईपीओ की बहार है। हर हफ्ते कोई न कोई आईपीओ खुल रहा है। उनमें से अधिकतर काफी अच्छा-खासा लिस्टिंग गेन भी दे रहे हैं। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी हुंडई और स्विगी जैसे बड़े आईपीओ कतार में भी हैं। आइए जानते हैं कि क्या आपको हर आईपीओ में पैसा लगाने की रणनीति पर अमल करना चाहिए और इसमें क्या जोखिम रहता है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। पिछले कुछ समय से शेयर मार्केट में इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (IPO) की धूम है। खासकर, बजाज हाउसिंग फाइनेंस के आईपीओ के 114 फीसदी का बंपर लिस्टिंग गेन देने के बाद। इसी बीच KRN हीट एंड एक्सचेंजर का आईपीओ का GMP भी 120 फीसदी से अधिक के लिस्टिंग गेन का संकेत दे रहा है। आगे भी स्विगी, हुंडई और NTPC ग्रीन एनर्जी जैसे कई बड़े मेन बोर्ड आईपीओ कतार में है। SME आईपीओ की संख्या भी बढ़ रही है।

ऐसे में सवाल उठता है कि क्या हर आईपीओ में पैसा लगाना चाहिए? यह स्ट्रैटजी कितनी कारगर है और इसमें नफा या नुकसान होने की गुंजाइश कितनी रहती है।

क्यों आ रहे इतने IPO?

शेयर मार्केट में फिलहाल बुल रन चल रहा है। इस तेजी का फायदा उठाने के लिए अधिकतर कंपनियां आईपीओ ला रही हैं, ताकि उनके शेयर ऊंची प्राइस पर लिस्ट हो सके। अतीत के आंकड़े भी इस बात पर मुहर लगाते हैं कि बुल रन के दौरान ही ज्यादातर आईपीओ आते हैं। यह सिर्फ भारत की बात नहीं है, दुनियाभर के मार्केट में इसी तरह का ट्रेंड रहा है।

क्या आईपीओ लॉटरी है?

पिछले दिनों सेबी ने एक रिपोर्ट पेश की थी। इसके मुताबिक, अधिकतर आईपीओ निवेशक अलॉटमेंट होने के एक हफ्ते के भीतर 54 फीसदी शेयर बेच देते हैं। साथ ही, एक साल के अंदर 74 फीसदी शेयर बेच देते हैं। ऐसे में कई मार्केट एक्सपर्ट चिंता जता रहे हैं कि आईपीओ को लॉटरी की तरह लिया जा रहा है, जो कि खतरनाक ट्रेंड है। SME IPO में ज्यादा मुनाफा मिलता है, लेकिन इसमें हेरफेर और नुकसान की आशंका भी अधिक रहती है।

हर IPO में निवेश सही है?

अगर आप हर आईपीओ को सिर्फ लिस्टिंग गेन के लिए सब्सक्राइब करते हैं, तो आपको नुकसान भी हो सकता है। LIC और पेटीएम जैसे बड़े आईपीओ इसकी मिसाल हैं। LIC का आईपीओ मई 2022 में आया था। प्राइस बैंड 902 से 949 रुपये था। लेकिन, यह करीब 9 फीसदी के डिस्काउंट के साथ लिस्ट हुआ। इसे अपने लिस्टिंग प्राइस के पार पहुंचने में करीब 2 साल गए।

वहीं, पेटीएम के आईपीओ ने भी निवेशकों को तगड़ी चपत लगाई थी। पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस का आईपीओ नवंबर 2021 में आया था। इश्यू प्राइस 2,150 रुपये था, लेकिन यह 9 फीसदी डिस्काउंट के साथ लिस्ट हुआ। लिस्टिंग के दिन और गिरावट आई और यह 1,564 पर बंद हुआ। पेटीएम लिस्टिंग के तीन साल बाद भी अपने इश्यू प्राइस को टच नहीं कर सका है।

किन IPO में लगाएं पैसे?

आपको किसी भी आईपीओ में निवेश करते समय उसके फंडामेंटल पर गौर करना चाहिए। पिछले दिनों खुद पेटीएम के मालिक विजय शेखर शर्मा ने कहा कि उन्हें आईपीओ के लिए सही इन्वेस्टमेंट बैंकर नहीं चुनने का मलाल है। इसका मतलब कि शर्मा भी मानते हैं कि पेटीएम का प्राइस बैंड नहीं था। साथ ही, कई बार आईपीओ की धमाकेदार लिस्टिंग हो जाती है, फिर वह कई साल तक मुनाफा देने की स्थिति में नहीं रहते।

मिसाल के लिए, टाटा टेक्नोलॉजी के आईपीओ का प्राइस बैंड 475 से 500 रुपये के बीच था। लेकिन, यह लिस्ट हुआ 1,200 रुपये पर। इसका मतलब कि निवेशकों को 140 फीसदी का बंपर लिस्टिंग गेन मिला। लेकिन, पिछले काफी समय से यह स्टॉक 1100 रुपये के आसपास अटका हुआ है। इसने लिस्टिंग के बाद से 10 फीसदी का नेगेटिव रिटर्न दिया है।

इन बातों का रखें ध्यान

कंपनी के फंडामेंटल का एनालिसिस किए बगैर सिर्फ लिस्टिंग गेन के लालच में हर आईपीओ में पैसा लगाने की स्ट्रैटजी बैकफायर भी कर सकती है। ऐसे में आईपीओ में पैसा लगाने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

कंपनी के उद्योग और बाजार की स्थिति को समझें।

उसकी ग्रोथ की संभावनाओं का मूल्यांकन करें।

रेवेन्यू, प्रॉफिट, लोन और कैश फ्लो पर गौर करें।

आईपीओ में शेयर की कीमत का मूल्यांकन देखें।

ब्रोकरेज की रिपोर्ट पढ़ें और उनकी राय को समझें।

निवेश से पहले अपने वित्तीय सलाहकार से सलाह लें।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में मदर वेसल और फीडर वेसल की भूमिका : डॉ. लॉजिस्टिक्स

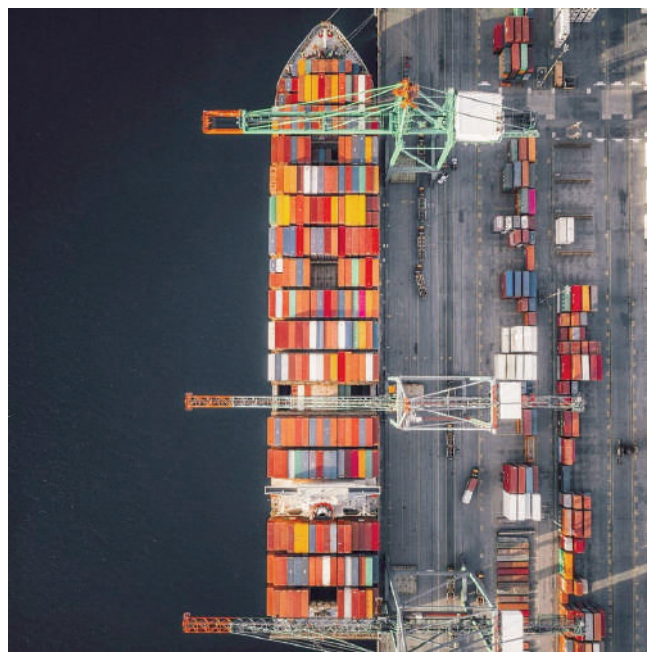

आज के डॉ. लॉजिस्टिक्स के विशेष संस्करण में, हम इंटरनेशनल शिपिंग और लॉजिस्टिक्स इंडस्ट्री में जहाजों के महत्व पर चर्चा करेंगे। इस साक्षात्कार में, हम जानेंगे कि कैसे मदर वेसल और फीडर वेसल का वैश्विक माल परिवहन में महत्वपूर्ण योगदान है और भारतीय बंदरगाहों तक कैसे यह माल पहुँचता है।

मदर वेसल और फीडर वेसल लॉजिस्टिक्स की जटिलताओं को सरल बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। इन जहाजों के बिना, विश्व स्तर पर माल की निर्बाध आवाजाही और व्यापार की निरंतरता संभव नहीं हो पाती।

मदर वेसल्स बड़े समुद्री जहाज होते हैं, जो मुख्य शिपिंग मार्गों पर लंबी दूरी तक यात्रा करते हुए हजारों कंटेनर लेकर चलते हैं। इनकी विशाल माल ढुलाई क्षमता, वैश्विक व्यापार को सस्ता और सुगम बनाती है। दूसरी ओर, फीडर वेसल्स छोटे जहाज होते हैं, जो मदर वेसल्स से माल लेकर विभिन्न क्षेत्रीय बंदरगाहों तक पहुँचाते हैं, जहाँ मदर वेसल्स नहीं पहुँच सकते।

इस चर्चा के माध्यम से, डॉ. अंकुर शरण, जो एक अनुभवी लॉजिस्टिक्स विशेषज्ञ हैं, बताएंगे कि कैसे ये वेसल्स भारत के EXIM (Export-Import) व्यवसाय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान करते हैं। इंटरनेशनल लॉजिस्टिक्स में वेसल्स की गहरी समझ भारतीय व्यापारियों और उद्यमियों के लिए महत्वपूर्ण है, खासकर उन लोगों के लिए जो EXIM से जुड़े हुए हैं।

प्रश्न: डॉ. शरण, अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में आपका अनुभव बहुत व्यापक है। क्या आप हमें मदर वेसल के बारे में विस्तार से बता सकते हैं और यह शिपिंग उद्योग में कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है?

डॉ. अंकुर शरण: धन्यवाद! मदर वेसल शिपिंग के क्षेत्र में एक अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जैसा कि आप जानते हैं, मदर वेसल बड़े जहाज होते हैं जो मुख्यतः अंतर्राष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर बड़े पैमाने पर माल का परिवहन करते हैं। इन जहाजों की क्षमता बहुत अधिक होती है—कई बार यह 20,000 से अधिक कंटेनर (TEU) तक माल ढोने में सक्षम होते हैं। उदाहरण के लिए, MSC Irina दुनिया का सबसे बड़ा कंटेनर जहाज है, जिसकी क्षमता 24,346 TEU है।

मदर वेसल का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह इकोनॉमी ऑफ स्केल (Economy of Scale) के सिद्धांत पर काम करता है। जब एक ही यात्रा में हजारों कंटेनर एक साथ भेजे जाते हैं, तो प्रति यूनिट शिपिंग लागत कम हो जाती है। यह न सिर्फ कंपनियों को आर्थिक रूप से फायदेमंद है, बल्कि वैश्विक व्यापार को भी तेज और कुशल बनाता है।

प्रश्न: भारत जैसे देश में, हम अक्सर देखते हैं कि हमारे बंदरगाहों पर मदर वेसल्स कम आते हैं और अधिकांश कंटेनर शिपमेंट कोलंबो या सिंगापुर जैसे ट्रांसशिपमेंट हब्स से होकर आते हैं। इसका मुख्य कारण क्या है?

डॉ. शरण: यह एक बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है। इसका मुख्य कारण भारत के अधिकांश बंदरगाहों की गहराई और अधोसंरचना है। मदर वेसल्स की ड्राफ्ट गहराई आमतौर पर 16 से 20 मीटर होती है, और इसके लिए अत्यधिक गहरे पानी के बंदरगाहों की आवश्यकता होती है। हमारे कुछ प्रमुख बंदरगाह जैसे मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और गुजरात में यह गहराई पूरी तरह से उपलब्ध नहीं है। इस कारण से, बड़ी मात्रा में शिपमेंट पहले कोलंबो या सिंगापुर जैसे ट्रांसशिपमेंट हब्स में जाता है, जहाँ माल को छोटे फीडर वेसल्स में स्थानांतरित किया जाता है और फिर भारत के बंदरगाहों तक पहुँचाया जाता है।

इसके अलावा, इन हब्स पर अत्यधिक सुव्यवस्थित लॉजिस्टिक्स और उच्च-स्तरीय सेवाएँ उपलब्ध होती हैं, जिससे शिपिंग कंपनियाँ उन्हें प्राथमिकता देती हैं। हालांकि, भारत भी अब अपने बंदरगाहों के विकास पर ध्यान दे रहा है ताकि मदर वेसल्स सीधे यहाँ आ सकें।

प्रश्न: आप शिपिंग की लागत को कम करने में मदर वेसल्स की भूमिका का ज़िक्र कर रहे थे। यह कैसे संभव होता है?

डॉ. शरण: जब हम बड़े पैमाने पर शिपमेंट की बात करते हैं, तो मदर वेसल्स की भूमिका प्रमुख होती है। चूंकि यह जहाज बहुत बड़े होते हैं, वे एक ही बार में हजारों कंटेनरों को ढो सकते हैं। इससे प्रति कंटेनर शिपिंग की लागत काफी कम हो जाती है। इसे हम इकोनॉमी ऑफ स्केल कहते हैं। मदर वेसल्स द्वारा माल ढुलाई करने पर, छोटी दूरी के लिए फीडर वेसल्स का उपयोग किया जाता है, जो मुख्य व्यापारिक हब्स से छोटे बंदरगाहों तक माल पहुँचाते हैं।

प्रश्न: भारत में शिपिंग और लॉजिस्टिक्स के भविष्य को आप कैसे देखते हैं, खासकर मदर वेसल्स के संदर्भ में?

डॉ. शरण: भारत में शिपिंग और लॉजिस्टिक्स के लिए भविष्य उज्ज्वल है। सरकार 'सागरमाला परियोजना' और अन्य लॉजिस्टिक्स सुधारों के माध्यम से बंदरगाहों का विकास कर रही है। हमारे कुछ बंदरगाहों में भी गहराई बढ़ाने के प्रयास चल रहे हैं, ताकि मदर वेसल्स को सीधे यहाँ आने की सुविधा मिल सके।

साथ ही, लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में डिजिटलीकरण और आधुनिक तकनीकों का उपयोग भी बढ़ रहा है। यह सुनिश्चित करेगा कि भारत अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बने। अगर हम अपने बंदरगाहों और अधोसंरचना को और उन्नत करते हैं, तो आने वाले वर्षों में भारत की स्थिति और भी मजबूत होगी।

प्रश्न: यह जानकारी बहुत उपयोगी है। हमारे पाठकों के लिए आप कोई संदेश देना चाहेंगे?

डॉ. शरण: हाँ, निश्चित रूप से। अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग और लॉजिस्टिक्स एक बहुत ही रोमांचक और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र है। अगर आपको इस क्षेत्र में करियर बनाना है, तो इस उद्योग के बदलावों के साथ अद्यतन रहना बहुत जरूरी है। मदर वेसल्स जैसे बड़े जहाजों और लॉजिस्टिक्स में आने वाली तकनीकी क्रांतियों को समझने के लिए गहन अध्ययन और प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। मुझे आशा है कि भारत इस क्षेत्र में और आगे बढ़ेगा, और हमारी युवा पीढ़ी इसमें अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

राजधानी में हादसों का सिलसिला, फिल्मी स्टाइल में कार हादसा

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेस्वर : भुवनेश्वर में जेवियर स्ट्रीट पर दुर्घटनाओं की श्रृंखला। कार डिवाइडर से टकराकर सड़क के दूसरी ओर पलट गई। बाद में एक अन्य वाहन से टक्कर हो गई। इस तरह तीन-तीन वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। हादसा कल रात करीब 11:00 बजे हुआ।हादसा देर रात जेवियर स्ट्रीट के पास हुआ।सबसे पहले एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराई और सड़क किनारे पलट गई. इसके बाद वह सड़क पर दूसरी कार से टकरा गई। कार का संतुलन बिगड़ गया और वह दूसरे वाहन से टकरा गई। लेकिन कुछ ही सेकेंड में तीन कारें आपस में टकरा गईं। तीन लोग घायल हो गये। हालांकि, हादसा करने वाले ड्राइवर की हालत गंभीर है। पुलिस ने बताया कि कार चालक का नाम राजेंद्र सेठी है और वह सालेपुर इलाके का रहने वाला है। हादसे के वक्त उनके साथ एक युवती भी गाड़ी में थी। मैत्री बिहार पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर जांच शुरू कर दी है।

राज्य कर्मचारी संघ परिषद आगरा और डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी से की भेंट

परिवहन विशेष न्यूज

2 अक्टूबर को शहीद स्मारक पार्क में गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण कार्यक्रम की, ज्ञापन के माध्यम से मांगी अनुमति

आगरा। राज्य कर्मचारी संघ परिषद आगरा के जिला मंत्री अजय शर्मा अध्यक्ष विनोद चौधरी, मण्डल अध्यक्ष डॉ राजीव उपाध्याय, डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के जिला मंत्री ,प्रांतीय संगठन मंत्री डॉ रविंद्र सिंह राणा एवम पदाधिकारियों का प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी से ओपचारिक भेंटकर 2 अक्टूबर को राज्य कर्मचारी संघ परिषद जनपद शाखा आगरा द्वारा महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर संजय पैलेस स्थित शहीद स्मारक पार्क पर प्रात 11 बजे गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण कार्यक्रम एवं 1बजे प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री उ.प्र. को संबोधित ज्ञापन कार्यक्रम की अनुमति मांगी और पुरानी पेंशन बहाली, संविदा आउटसोर्स कर्मियों के नियमितीकरण हेतु नीति निर्धारण एवम समान कार्य हेतु समान वेतन, 8वें वेतन आयोग का गठन किए जाने आदि मांगों को लेकर ज्ञापन दिया जाएगा। इसी परिपेक्ष्य में एस एन मेडिकल कॉलेज आगरा में एक बैठक की गई जिसमे डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष डॉ मुकेश शर्मा, संयोजक सुभाष बघेल, कोषाध्यक्ष डॉ प्रवीण मिश्रा, प्रांतीय उपाध्यक्ष रामनरेश परमार, डॉ एन के पाल, डॉ सतेंद्र शर्मा आदि उपस्थित रहे।

महात्मा गांधी: सत्य, अहिंसा और स्वराज का अमर संदेश : संस्कारशाला

महात्मा गांधी की विचारधारा आज के समय में पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। जहां विश्वभर में हिंसा, अशांति, सामाजिक असमानता, पर्यावरणीय संकट, और नैतिक मूल्यों में गिरावट जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, गांधी जी के सिद्धांत हमें सही दिशा दिखा सकते हैं। उनकी विचारधारा आज भी समाज को प्रेरित और जागरूक कर सकती है।

1. **अहिंसा और शांति की जरूरत:** वर्तमान समय में, जब हिंसा और आतंकवाद ने समाज को विभाजित कर दिया है, गांधी जी का अहिंसा का सिद्धांत एकमात्र रास्ता है जो हमें सच्ची शांति और सौहार्द की ओर ले जा सकता है। उन्होंने यह साबित किया कि बिना हिंसा के भी बड़े सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन संभव हैं। आज के समय में, यह विचारधारा संघर्षों और विवादों को सुलझाने में अत्यधिक प्रासंगिक है।

2. **पर्यावरण संरक्षण और सादगी:** बढ़ते औद्योगिकीकरण और भौतिकतावाद ने पर्यावरण को गंभीर संकट में डाल दिया है। गांधी जी ने हमेशा सादगी और प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग पर जोर दिया था। उनका "सादा जीवन, उच्च विचार" का संदेश हमें उपभोक्तावाद से बाहर निकलकर प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने की प्रेरणा देता है। जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण से निपटने के लिए उनकी यह दृष्टि आज बहुत आवश्यक है।

3. **सामाजिक न्याय और समावेशिता:** गांधी जी ने हमेशा सामाजिक समानता और जातिवाद के उन्मूलन की बात की। आज भी भारत और दुनिया भर में जातिगत, वर्गीय, और लैंगिक भेदभाव जैसी समस्याएं बनी हुई हैं। गांधी जी का "सर्वोदय" का सिद्धांत, यानी समाज के हर व्यक्ति का उत्थान, आज के समय में एक समावेशी और न्यायसंगत समाज बनाने के लिए बहुत प्रासंगिक है।

4. **आत्मनिर्भरता और स्वदेशी:** वर्तमान वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में, गांधी जी की आत्मनिर्भरता और स्वदेशी की सोच बहुत महत्वपूर्ण है। स्थानीय उत्पादन और छोटे उद्योगों को बढ़ावा देना, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भरता कम करना, और अपने संसाधनों का सही तरीके से उपयोग करना—ये गांधी जी की विचारधारा के ही हिस्से हैं, जो हमें आत्मनिर्भर भारत की ओर ले जा सकते हैं।

5. **सत्य और नैतिकता का महत्व:** आज की राजनीति और समाज में नैतिक मूल्यों और सत्य की कमी देखी जा रही है। गांधी जी का जीवन सत्य और नैतिकता की बुनियाद पर आधारित था। उनका मानना था कि सत्य ही सबसे बड़ा हथियार है। आज के भ्रष्टाचार-प्रधान युग में, उनकी यह विचारधारा अत्यधिक महत्वपूर्ण है, जहां सच्चाई और ईमानदारी से काम करने की आवश्यकता है।

6. **महिलाओं के सशक्तिकरण का समर्थन:** गांधी जी ने महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया और उन्हें स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। आज, जब हम लैंगिक समानता की बात करते हैं, गांधी जी का दृष्टिकोण हमें सही दिशा दिखा सकता है, जिससे महिलाओं को समाज में बराबरी का अधिकार मिले।

7. **शिक्षा और नैतिक शिक्षा:** गांधी जी का मानना था कि शिक्षा का उद्देश्य न केवल ज्ञान देना है, बल्कि एक व्यक्ति के चरित्र का निर्माण करना भी है। आज, जब हमारी शिक्षा प्रणाली केवल अंक और रोजगार केंद्रित हो गई है, गांधी जी की नैतिक और व्यावहारिक शिक्षा की सोच बच्चों और युवाओं को बेहतर नागरिक बनाने में मदद कर सकती है।

8. **धार्मिक सहिष्णुता:** गांधी जी का मानना था कि सभी धर्म एक समान हैं और हर व्यक्ति को अपने धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। आज के समय में, जब धार्मिक कट्टरता और असहिष्णुता बढ़ रही है, उनकी धार्मिक सहिष्णुता की विचारधारा हमें एकता और सौहार्द का संदेश देती है। महात्मा गांधी की विचारधारा न केवल उनके समय के लिए बल्कि आज के समय के लिए भी अत्यधिक प्रासंगिक है। उनके सिद्धांत हमें सिखाते हैं कि किस तरह से हम एक बेहतर समाज का निर्माण कर सकते हैं, जो अहिंसा, सत्य, समानता, और नैतिकता पर आधारित हो। आज के जटिल और चुनौतीपूर्ण समय में गांधी जी के विचार हमें मार्गदर्शन और प्रेरणा देते हैं।

ओड़िशा का राज्यपाल रघुबर दास झारखंड चुनाब मे भाग लेंगे क्या !

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर :ओड़िशा का राज्यपाल झारखंड चुनाब मे भाग लेंगे क्या ! बीजेपी ने ओडिशा की तरह झारखंड पर कब्जा करने का सुपर प्लान बनाया है। बीजेपी केंद्रीय नेतृत्व इस बात की सूची बना रहा है कि किस नेता की जीत की संभावना ज्यादा है । सिर्फ लिस्ट ही नहीं, वे नेताओं को दिल्ली बुलाकर फीडबैक भी ले रहे हैं। ऐसे में ओडिशा के राज्यपाल और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुबर दास के नाम पर चर्चा हो रही है।क्योंकि रघुवर के दिल्ली दौरे ने इस चर्चा को और हवा दे दी है। उधर, मुख्यमंत्री मोहन माझी ने झारखंड जाकर बीजेपी के लिए प्रचार किया।

राज्यपाल रघुवर दास की राजभवन में झारखंड बीजेपी प्रभारी हिमंत विश्वशर्मा से मुलाकात और फिर रघुवर के दिल्ली जाकर बीजेपी के केंद्रीय नेताओं से मिलने की घटना ने काफी चर्चा बटोरी है। अफवाहें हैं कि ओडिशा के राज्यपाल और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुबर दास इस बार झारखंड विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं। वह अपनी पुरानी सीट पूर्वी-जमशेदपुर से बीजेपी के उम्मीदवार हो सकते हैं। क्योंकि झारखंड में सबसे बड़ा ओबीसी चेहरा रघुवर ही हैं। और केंद्र बीजेपी को लगा कि रघुबर के जीतने की सबसे बड़ी संभावना उनकी पारंपरिक सीट पूर्वी-जमशेदपुर में है। हालांकि, रघुबर के चुनाव लड़ने को लेकर उनकी तरफ से कोई जानकारी नहीं है, लेकिन रघुबर के आसपास घट रही घटनाएं उनके चुनाव लड़ने की ओर इशारा कर रही हैं।

जिस देश के लोग वैचारिक रूप से स्वच्छ होंगे उस देश को आगे बढ़ने से कोइ नहीं रोक सकता : डॉ उमेश शर्मा

तो आइएं एक जिम्मेदार नागरिक बनें और देश के विकास में अपना योगदान देंने के लिए स्वच्छता अपनाएं और देश को आगे बढ़ाएंर

आगरा,संजय साग़र सिंह। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी भारतीयों से स्वच्छता भारत अभियान में श्रमदान करने के लिए राष्ट्रीय आह्वान किया हैं। जिससे हम एक महत्वपूर्ण स्वच्छता पहल के लिए एक साथ आए हैं और स्वच्छ भविष्य की शुरुआत के लिए इस नेक प्रयास में समय निकालकर शामिल हों और श्रमदान कर इस अभियान के जरिये हम बापू की जयंती के अवसर पर उन्हें स्वच्छ भारत के रूप में सर्वश्रेष्ठ श्रद्धांजलि दे सके।

बापू की जयंती के इस खास अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी डॉ उमेश शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जिस देश के लोग वैचारिक रूप से स्वच्छ होंगे उस देश को आगे बढ़ने से कोइ नहीं रोक सकता। तो आइएं एक जिम्मेदार नागरिक बनें और देश के विकास में अपना योगदान देंने के लिए स्वच्छता अपनाएं। देश को आगे बढ़ाएं और श्रमदान कर इस अभियान के जरिये हम बापू की जयंती के अवसर पर उन्हें स्वच्छ भारत के रूप में सर्वश्रेष्ठ श्रद्धांजलि दे सके। क्योकि हम सभी ने यह कहावत सुनी है कि स्वच्छता में ईश्वर वास करते हैं। जिसका अर्थ है कि स्वच्छ स्थान में ही ईश्वर का वास होता है। स्वच्छता एक अच्छी आदत है, जो हमारे जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाती है। यह हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग है, लेकिन बहुत से लोग अपने घरों को साफ रखना चाहते हैं लेकिन अपने घर का कचरा गैर जिम्मेदाराना तरीके से सड़कों पर फेंक देते हैं, जो पर्यावरण व पशुओं के लिए बहुत ही हानिकारक है। वर्तमान समय में स्वच्छता हमारे लिए एक बड़ी चुनौती है। पान, गुटका और तम्बाकू जैसे उत्पादों का सेवन करने वालों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित करना चाहिए और सरकारी संस्थानों, स्कूलों और घरों में स्वच्छता बनाये रखने के लिए लोगों को शिक्षित करना चाहिए। स्वच्छता के लिए नालियों की गंदगी, नदियों के आस-पास जमे कूड़े-कर्कट, सड़कों की सफाई करनी चाहिए।

श्री शर्मा ने आगे कहा, पर्यावरण को बचाने के लिये पेड़-पौधों और वृक्षारोपण करना चाहिए। शौचालय का प्रयोग करने के लिए लोगों में जागरूक करना चाहिए। अपने आस-पास रखे कूड़ेदान का प्रयोग करने के लिये लोगों को बताना करना चाहिए और लोगों को स्वच्छता के सही मायने समझायें। स्वच्छ पेयजल आपूर्ति के लिये लोगों को जागरूक बनाने का प्रयास करना चाहिए। हम सभी को स्वच्छता अभियान को लेकर बड़ा परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। देश के लोगों को स्वच्छता संबंधी इस अभियान में अपना योगदान देना चाहिए और इस अभियान के माध्यम से अन्य लोगों को इसका हिस्सा बनने के लिए प्रेरित करना चाहिए ताकि कचरा मुक्त वातावरण और शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराकर एक स्वच्छ भारत का निर्माण किया जा सके। जिस देश के लोग सामाजिक, वैचारिक और व्यक्तिगत रूप से स्वच्छ होंगे उस देश को आगे बढ़ने से कोइ नहीं रोक सकता। एक जिम्मेदार नागरिक बनें और देश के विकास में अपना योगदान देंने के लिए स्वच्छता अपनाएं और देश को आगे बढ़ाएं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023